



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 312]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मई 28, 2009/ज्येष्ठ 7, 1931

No. 312]

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 28, 2009/JYAISTHA 7, 1931

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(रक्षोपाय, सीमा-शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 मई, 2009

विषय : अपरिष्कृत अल्यूमीनियम, अल्यूमीनियम अपशिष्ट एवं अल्यूमीनियम स्क्रैप के आयातों के बारे में रक्षोपाय जांच—प्रारंभिक जांच परिणाम ।

सा.का.नि. 367(अ).—सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमा-शुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क का अभिज्ञान एवं निर्धारण) नियम, 1997 को ध्यान में रखते हुए :

1. प्रक्रिया

- (i) अल्यूमीनियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया (जिसे आगे आवेदक कहा गया है) ने अधिसूचना सं. 35/97-एनटी-सी.शु., दिनांक 29-7-1997 के तहत अधिसूचित यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (रक्षोपाय शुल्क का अभिज्ञान एवं निर्धारण) नियमावली, 1997 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है) के अनुसार 2 मार्च, 2009 को महानिदेशक के समक्ष एक याचिका दायर की थी जिसमें भारत में अपरिष्कृत अल्यूमीनियम, अल्यूमीनियम अपशिष्ट एवं अल्यूमीनियम स्क्रैप के संबंधित आयातों द्वारा घरेलू उत्पादकों को गंभीर क्षति होने और उसका खतरा उत्पन्न होने का आरोप लगाया गया था । यह याचिका अपरिष्कृत अल्यूमीनियम के निम्नलिखित भारतीय उत्पादकों की ओर से दायर की गयी है ।

भारत अल्यूमीनियम कं. लि.
दूसरा तल, कोर-6, स्कोप कॉम्प्लेक्स
लोधी रोड, नई दिल्ली-110003
बाल्को के रूप में उल्लिखित

मद्रास अल्यूमीनियम कं. लि.
मैतुर डैम आर. एस. 636402
सलेम जिला, तमिलनाडु
माल्को के रूप में उल्लिखित

नैशनल अल्यूमीनियम कं. लि.
नाल्को भवन
पी/1, नयापल्ली,
भुवनेश्वर-751013
नाल्को के रूप में उल्लिखित

हिण्डाल्को इंडस्ट्रीज लि.
पंजी. कार्यालय "सेचरी भवन"
तीसरा तल, डॉ. एनी बेसेंट रोड
वरली, मुम्बई-400030
हिण्डाल्को के रूप में उल्लिखित

यद्यपि बाल्को लि., माल्को लि. और नाल्को लि., ने जांच से संगत समस्त सूचना उपलब्ध कराई है तथापि हिण्डाल्को ने उत्पादन लागत एवं क्षतिरहित कीमत से संबंधित सूचना को छोड़कर समस्त सूचना उपलब्ध कराई है ।

(ii) आवेदक की प्रारंभिक जांच से कुछ कमियों का पता चला था जिन्हें आवेदकों ने सुधार दिया था । आवेदकों ने 15 मई, 2009 को अद्यतित एवं विधिवत् प्रलेखित आवेदन दायर किया ।

(iii) चारों कम्पनियों अर्थात् बाल्को, नाल्को, हिण्डाल्को एवं माल्को द्वारा प्रदत्त सूचना का सत्यापन अधिकारियों के एक दल ने किया था ।

(iv) विधिवत सत्यापन के बाद यह देखा गया था कि जांच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराने के लिए संवर्धित आयातों, गंभीर क्षति या गंभीर क्षति के खतरे और संवर्धित आयातों एवं आरोपित क्षति या गंभीर क्षति के खतरे के बीच कारणात्मक संबंध के बारे में पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य है। अतः यह निर्धारित करने के लिए जांच शुरुआत का निर्णय लिया गया था कि क्या विचाराधीन उत्पाद के आयातों में ऐसी परिस्थितियों में वृद्धि हुई है जिनमें रक्षोपाय शुल्क को लगाना न्यायोचित ठहराने के लिए घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हुई है या उसका खतरा उत्पन्न हुआ है।

(v) भारत में अपरिष्कृत अल्यूमीनियम, अल्यूमीनियम अपशिष्ट एवं अल्यूमीनियम स्क्रेप के आयातों के बारे में रक्षोपाय जांच की शुरुआत की सूचना 22 मई, 2009 को जारी की गई थी और उसे अधिसूचना द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण में उसी दिन प्रकाशित किया गया था।

(vi) जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की एक प्रति नई दिल्ली स्थित दूतावासों के जरिए निर्यातक देशों की सरकारों को भेजी गई है।

(vii) सूचना की एक प्रति समस्त ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को भी निम्नानुसार भेजी गई थी :

घरेलू उत्पादक (अपरिष्कृत अल्यूमीनियम, अल्यूमीनियम अपशिष्ट एवं अल्यूमीनियम स्क्रेप)

भारत अल्यूमीनियम कं. लि. दूसरा तल, कोर-6, स्कोप कॉम्प्लेक्स लोधी रोड, नई दिल्ली-110003 नाल्को के रूप में उल्लिखित	मद्रास अल्यूमीनियम कं. लि. मैतुर डैम आर. एस. 636402 सलेम जिला, तमिलनाडु नाल्को के रूप में उल्लिखित
नाल्को इंडिया लि. नाल्को भवन पी/1, नयापल्ली, भुवनेश्वर-751013 नाल्को के रूप में उल्लिखित	हिण्डाल्को इंडस्ट्रीज लि. पंजी. कार्यालय 'सेंचुरी भवन' तीसरा तल, डॉ. एनी बेसेंट रोड वरली, मुम्बई-400030 हिण्डाल्को के रूप में उल्लिखित

अपरिष्कृत अल्यूमीनियम, अल्यूमीनियम अपशिष्ट एवं अल्यूमीनियम स्क्रेप से अल्यूमीनियम तार की रॉड का उत्पादन करने वाली कंपनियों की सूची

एपीएस इंटरप्राइज खसरा सं. 43, प्लॉट सं. 2-4, सबोली इंड. एरिया, दिल्ली	नोएडा अल्यूमीनियम 5693/23, प्रथम तल, बस्ती हरफूल सिंह सदर बाजार, दिल्ली
वैभव स्ट्रिप्स 4/42 सेक्टर- 80, इंड. एरिया फेज-II, नोएडा, उत्तर प्रदेश	एवन अलॉयज बी-8, झिलमिल इंड. एरिया शाहदरा, दिल्ली
तिरूपति अल्यूमीनियम 55, इंड. एरिया, सेक्टर 1, परवाना, हि. प्र.	विजय इलेक्ट्रिकल प्लॉट सं. 3-9 रायपुर, सहकारी औद्योगिक क्षेत्र भगवानपुर, रुड़की

टेराकॉम बी-64, सेक्टर-60 नोएडा	गुप्ता पावर इंफ्रास्ट्रक्चर कटक रोड, भुवनेश्वर उड़ीसा-751006
प्रेम केबल्स पिपालिन कलाँ, जिला- पाली राजस्थान	मोहन अल्यूमीनियम 9वाँ माइल स्टोन, ओल्ड मद्रास रोड बंगलौर
दीपक केबल्स 7, एनएस लिगर स्ट्रीट शेषाद्रिपुरम, बंगलौर	अनाम इलेक्ट्रिकल्स 1-101, वेंकयम्मा पेटा रोड काडियाम, राजमुदरी के निकट पूर्वी गोदावरी जिला, आंध्र प्रदेश-533126
ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज 307, स्वायिका सेंटर 4ए, पोलॉक स्ट्रीट, कोलकाता	श्रेयस केबल 14ए, लाइट इंड. एरिया, भिलाई
स्टरलाइट इंड. (हरिद्वार) एस सं. 99/2/पी मधुबन डैम रोड, रखोली सिलवासा	अपार इंड. (नालगढ़ एण्ड) अपार हाउस, कॉर्पोरेट पार्क सियाँन-ट्रामवे रोड चेम्बुर, मुम्बई
डायमंड केबल फेज-II VIII वडाडाला, बड़ौदा	प्रेम कंडक्टर सर्वे सं. 1078/2/2 सिलवासा
स्मिता कंडक्टर 1402/03 रहेजा सेंटर, नरीमन प्वाइंट मुम्बई-400021	मै. पॉलीकैब वायर प्रा. लि. हिको हाउस, प्रथम तल, 771 पंडित सतवालेकर मार्ग माहीम (प.), मुम्बई-400016
द मेटल पावडर कं. लि. (मेपको) एच. ओ. तिरुमंगलम, तिरुमंगलम मदुरई-625706	अनाम इलेक्ट्रिकल मैनुफैक्चरिंग कं. 1-101-वेंकायम्मा पेटा रोड, काडियाम, राजमुंद्री के निकट पू. गोडवे जिला, (आंध्र प्रदेश)-पिन-533126
मै. एपीएस इंटरप्राइजेज खसरा स. 43, प्लॉट सं. 2-4, सबोली इंड. एरिया, मंडोली, दिल्ली	मै. नोएडा अल्यूमीनियम 5696/23, प्रथम तल बस्ती हरफूल सिंह सरदार बाजार दिल्ली-6
मै. हिंद अल्यूमीनियम बी-1, तुलसी विहार वरली नाका डॉ. एबी रोड, मुम्बई	मै. दीपक केबल्स 7, एनएस लिगर स्ट्रीट हिरेन अल्यूमीनियम 106-सी, आर. के. वाडी 114, वीपी रोड, मुम्बई
पाल्को खनवाड़ी के सामने, रामोल रोड, अहमदाबाद	गलादा पावर सर्वे सं. 319, ग्राम खदोली, सिलवासा
यूसीएल पी. ओ. बिरला विकास सतना-485005 (मध्य प्रदेश)	लेजर केबल्स प्रा. लि. स्वालिका सेंटर, कमरा सं. 403 4ए, पोलॉक स्ट्रीट, कोलकाता-01

श्रेयस अल्यूमीनियम एंड अलॉय प्रा. लि. स्वालिका सेंटर, कमरा सं. 21, भूतल, ए, पोलॉक स्ट्रीट, कोलकाता-01	
--	--

उपयोगकर्ता एवं आयातक

मै. मास्टर इंडिया प्लॉट नं. 4, गली नं. 2 फ्रेंड्स कोलोनी इंड. एरिया शाहदरा, दिल्ली-95	मै. जे. एंड के. अल्यूमीनियम, एससीओ 87, दूसरा तल सेक्टर-5, एमडीसी, पंचकुला हरियाणा-134114
मै. मनकसिया लि. 8/1, लाल बाजार स्ट्रीट कोलकाता-700001	मै. हिरेन अल्यूमीनियम, 106-सी, आर. के. वाडी, 114, वी. पी. रोड, मुम्बई-400004
मै. गुप्ता पॉवर इंफ्रास्ट्रक्चर लि. कटक रोड, भुवनेश्वर-751006 (उड़ीसा)	कॉटिनेंटल इजन्स लि. एसपी-312, चेतन कॉम्प्लेक्स, श्रेष्ठ विहार मार्केट दिल्ली
सेंचुरी मेटल रिसाइक्लिंग प्रा. लि. ग्राम तातरपुर, जिला-पलवल हरियाणा	एसोसिएटेड अल्यूमीनियम बी/1, तुलसी विहार वरली नाका डॉ. ए बी रोड मुम्बई-400018
केईआई इंडस्ट्रीज लि. डी-90 ओखला इंड. एरिया फेज-1 नई दिल्ली	हैवेल्स इंडिया प्रा. लि. क्यूआरजी टॉवर्स 2-डी, सेक्टर 126 एक्सप्रेस वे, नोएडा
स्मिता कंडक्टर्स 1402-03, राहेजा सेंटर नरीमन प्वाइंट मुम्बई-400021	हिंद अल्यूमीनियम इंड. लि. बी/1, तुलसी विहार वरली नाका डॉ. ए बी रोड, मुम्बई-400018
पारामाउंट कम्यूनिकेशंस लि. पारामाउंट हाउस, सी-125 नारायणा इंड. एरिया, फेज-1 नई दिल्ली	वेंकटेश्वर वायर्स प्रा. लि. 302, नवजीवन चैम्बर्स, विनोद मार्ग, सी स्कीम जयपुर, राजस्थान-302001
मै. यूनिवर्सल केबल्स लि. पी. ओ. बिरला विकास सतना- 855005 (मध्य प्रदेश)	मै. पॉलिकैब वायर प्रा. लि. हिको हाउस, प्रथम तल, 771 पंडित सतवालेकर मार्ग महीम (प.), मुम्बई-400016
दीपक केबल्स 7, एनएस अयंगर स्ट्रीट, शेषाद्रिपुरम, बंगलौर-20	विजय इलेक्ट्रिकल्स रुद्रराम पाटनचेरु, मेडक जिला, हैदराबाद

एनविल कबल्स प्रा. लि. कृष्णा बिल्डिंग आर. नं. 102 224 ए. जे. सी. बोस रोड कोलकाता-17	अपार इंड. अपार हाउस कॉर्पोरेट पार्क सियॉन-ट्रामबे रोड, चेम्बुर मुम्बई
हिंदुस्तान विद्युत प्रोडक्ट्स लि. 12/1, माइलस्टोन, मथुरा रोड, फरीदाबाद-121003 (हरियाणा)	राजस्थान केबल्स एंड कंडक्टर्स ए 190 सी, रोड नं. 1डी, वीकेआई एरिया, जयपुर-302013
जे. एम. इंडस्ट्रीजएल 195, एमआईडीसी अहमदनगर-414111/लोधा चैम्बर 2988 गंज बाजार अहमदनगर-414001	हिरेन अल्यूमीनियम 106-सी, आर. के. वाडी, 114, वी. पी. रोड मुम्बई-400004
मनाकसिया लि. 8/1 लाल बाजार स्ट्रीट कोलकाता-700001	अलोम एक्सट्रूजन्स लि. 7-बी प्रिटोरिया स्ट्रीट कोलकाता-700071

निर्यातक

मै. यूरोएशियन वैचर्स एफजेडई पी. ओ. बॉक्स 17707 जेबेल अलीफ्री जोन दुबई, यूएई	मै. अल्वा अल्यूमीनियम लि. 8/17-18, कैथे हाउस चौथा तल, सेदर्न नुआ रोड बैंकॉक, थाइलैंड
मै. दुबई अल्यूमीनियम कं. लि. पी. ओ. बॉक्स 3627, दुबई, यूएई	मै. ओ एंड एस मेटलइंपोर्ट जीएमबीएच हेडर्महिमर स्ट्राट 9, डी65462, जीयूएस जर्मनी
मै. यूनाइटेड अल्यूमीनियम इंड. कं. लि. 107, मू 3, रबौपाई- कोकवांग रोड, थाइलैंड	मै. नानजिंग वेलबो मेटल्स कं. लि. होंगलान, लिशुल, नानजिंग चीन
मै. शेनझेन आयदा अल्यूमीनियम अलॉयज कं. लि., हैजिंग जीई ए1001 हाओजिंग गार्डन, चीन	अल्वा अल्यूमीनियम बहरीन बी.एस.सी. (सी) पी. ओ. बॉक्स-570, 150, किंग हमद हाईवे अस्कर 1951, किंगडम ऑफ बहरीन
ओस्टारसिचुआनोस्टार अल्यूमीनियम कं. लि. क्विमिंग अपार्टमेंट बिल्डिंग चौथा तल, सं. 1, जुलॉग एस	अल्महदी अल्यूमीनियम कॉर्पो. 18 कि.मी. शहीद रदजाई क्वे रोड, बंदर अब्बास, ईरान

मै. लकी अलॉयज लि. पी. ओ. बॉक्स सं. 16850, जवेल अली एफआर 1 दुबई, यूएई	मै. यूनिजैम्स इम्पेक्स लि. 1249/66 जैम्स टॉवर 8वाँ तल चरोन क्रुंग रोड बैंकॉक, थाइलैंड
मै. अल्कान प्राइमरी मेटल ऑस्ट्रेलिया प्रा. लि. सूट 601, लेवल 6, 50 एमए रेग्राट स्ट्रीट, सिडनी ऑस्ट्रेलिया	मै. फिनिक्स स्टील मिल लि. इकोरोडु-सगामु रोड, इकोरोडु गोलचक्कर से 4 कि.मी. ओगन स्टेट, नाइजीरिया
मै. बहरीन अलॉय मैन्यू. कं. बीएसएल पी. ओ. बॉक्स 5349, मनामा किंगडम ऑफ बहरीन	मै. शंघाई झेनगु स्पेशल अलॉयज कं. लि. रूम 1803, सं. 1555, कौंगजियांग रोड, चीन
बीएचपी बिलिटॉन बीएचपी बिलिटॉन लि. बीएचपी बिलिटॉन सेंटर 180 लॉसडेल स्ट्रीट, मेलबर्न विक्टोरिया 3000 बीएचपी बिलिटॉन प्लेस, नीटहाउस प्लेस विक्टोरिया, लंदन एसडब्ल्यू 1बीएच	अल्कोआअल्कोआ कॉर्पोरेट सेंटर 201 आइसाबेला स्ट्रीट, पिट्सबर्ग पीए, 15212-5858 यूएसए
यूनिवर्सल कार्पो. 169-1, सेमसियांग-डॉंग गांगनाम-गु, सिओल कोरिया (द.), जिप-135-090	एमआइएनएल लि. (मनाकसिया) इसोलो, लागोस, नाइजीरिया ओटा, नाइजीरिया
इरालको नं. 8, चतुर्थ स्ट्रीट, नाफ्ट शोमाली मिर्दामाद एव, तेहरान, 19189, ईरान	

प्रश्नावलियाँ सभी ज्ञात घरेलू उत्पादकों, निर्यातकों और आयातकों को भी भेजी गई थीं और उनसे 30 दिन के भीतर अपने उत्तर प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था।

आवेदन का अगोपनीय भाग और उत्तर सार्वजनिक फाइल में रखा गया है जिसे कोई हितबद्ध पार्टी देख सकती है।

विदेशी उत्पादकों, भारतीय आयातकों/उपभोक्ताओं, भारतीय उत्पादकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों से माँगी जा रही सूचना पर अंतिम निर्धारण हेतु विचार किया जाएगा।

2. घरेलू उद्योग के विचार

यह आवेदन मै. अल्यूमीनियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया, 118, प्रथम तल, रमन श्री आर्कड, 18, एम. जी. रोड, बंगलौर-560001 द्वारा दायर किया गया है। उन्होंने निम्नलिखित मुख्य बिंदु उठाए हैं :

- (क) विचाराधीन उत्पाद के आयात में हाल की अवधि में समग्र एवं तुलनात्मक रूप में वृद्धि हुई है;
- (ख) आयातों में भारतीय उत्पादन के संबंध में वृद्धि हुई है;

- (ग) आयातों में भारत में खपत के संबंध में वृद्धि हुई है;
- (घ) यद्यपि आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है तथापि घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है;
- (ङ) आयातों एवं घरेलू उत्पादों के बीच कीमत में भारी अंतर को देखते हुए आगे और आयात होने तथा क्षति का खतरा उत्पन्न होने की प्रबल संभावना है;
- (च) घरेलू माँग में वृद्धि को बढ़ते हुए आयातों ने अपने कब्जे में ले लिया है;
- (छ) यद्यपि भारतीय उत्पादकों ने एलएमई द्वारा घोषित कीमतों का पालन किया है तथापि आयातों में वृद्धि विदेशी उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत कम कीमत के कारण हुई है।
- (ज) संवर्धित आयातों के कारण घरेलू उद्योग विचाराधीन उत्पाद में पर्याप्त उत्पादन क्षमता की निष्क्रियता का सामना कर रहा है। वस्तुतः माल्को द्वारा लगभग 5 माह से प्रचालन नहीं किया जा रहा है। घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में गिरावट आई है। उद्योग पर्याप्त अप्रयुक्त क्षमता का सामना कर रहा है।
- (झ) उत्पादन में गिरावट आई है और आयात में पर्याप्त वृद्धि होने के कारण चालू वर्ष में क्षमता उपयोग में परिणामी गिरावट आई है। इसके अलावा, यद्यपि आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है तथापि, घरेलू उद्योग के हिस्से में उस समय गिरावट आई है जब घरेलू उद्योग के पास अप्रयुक्त क्षमताएँ पड़ी हुई थीं। घरेलू उद्योग अब उत्पादन में कटौती कर रहा है और संवर्धित आयातों से विचाराधीन उत्पाद में गंभीर क्षति हो रही है।
- (ट) संवर्धित आयातों से स्थापित क्षमता का उपयोग कम हो रहा है जिससे रोजगार की हानि हुई है।
- (ठ) निवेश पर आय में गिरावट इतनी अधिक हुई थी कि मार्च, 2009 को समाप्त तिमाही के दौरान घरेलू उद्योग की निवेश पर आय ऋणात्मक हो गई है।

निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

कुछेक अंतिम प्रयोक्ताओं ने अपने विचार निम्नानुसार प्रस्तुत किए हैं-

क. नूलाइन इंडस्ट्रीज प्रा. लि.

1. नाल्को, बाल्को, हिण्डाल्को, इन कंपनियों की कीमत प्रणाली अल्यूमीनियम के लिए लंदन मेटल एक्सचेंज के अनुसार थी। ये कीमतें आयात की पहुँच कीमत से कम थी। पिछले कुछ वर्षों से ये कंपनियाँ शैक्षिक रूप से कार्टेल प्रणाली बना रही हैं। वर्तमान कीमतें अल्यूमीनियम इनगोट्स के आयात की पहुँच कीमत से अधिक हैं।
2. उदार अर्थव्यवस्था में क्रेता के पास इन आपूर्तिकर्ताओं से खरीद करने या सामग्री का आयात करने, जो भी सस्ता हो, का विकल्प होता है। अन्य आयातक उद्योग समाप्त हो जाएगा यदि रक्षोपाय शुल्क लगाया जाएगा।
3. घरेलू उद्योग भारी मुनाफा कमा रहा है क्योंकि इनकी लागत 1250-1400 अम. डॉ./मी. टन की ही है। मंदी के कारण एलएमई में गिरावट आई है। संरक्षण आवश्यक नहीं है।
4. क्षमता उपयोग- उत्पादन में कमी आयातों के कारण नहीं आई है। घाटा उत्पादन लागत में वृद्धि के कारण नहीं हुआ है बल्कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में एलएमई में कमी के कारण हुआ है। यह वैश्विक परिदृश्य है।

5. अल्यूमीनियम का उपयोग करने वाले और भवन निर्माण करने वाले ऑटोमोबाइल उद्योग की माँग में बड़ी गिरावट आई है ।
6. हिण्डाल्को को घाटा आंशिक रूप से उनके द्वारा विदेशी कंपनियों में किए गए भारी निवेश के कारण हुआ है । आंशिक घाटा मंदी के कारण हुआ है ।
7. पार्टियों द्वारा अल्यूमीनियम का शुल्क मुक्त आयात किया जा रहा है और अग्रिम लाइसेंस पर तैयार उत्पाद का निर्यात किया जा रहा है । यदि रक्षोपाय शुल्क लगाया जाएगा तो निर्यातक अंतर्राष्ट्रीय बाजार की लागत को पूरा नहीं कर पाएँगे क्योंकि कच्ची सामग्री की कीमत में भारी वृद्धि हो जाएगी । इससे देश की विदेशी मुद्रा आय प्रभावित होगी । निर्यात बिक्री की लागत घरेलू बाजार से कच्ची सामग्री की खरीद के आधार पर प्राप्त नहीं की जा सकती । ऐसा केवल आयातित कच्ची सामग्री के आधार पर संभव है ।
8. निदेशालय द्वारा उपभोक्ता उद्योग की चिंता पर विचार नहीं किया जा रहा है ।

केवल एंड कंडक्शन मैनु. एसोसिएशन ऑफ इंडिया

1. मौजूदा 5% के अतिरिक्त शुल्क लगाए जाने से लघु एवं मध्यम उद्योगों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा ।
2. आवेदकों के लागत संबंधी आंकड़ों की कड़ी जांच अपेक्षित है ।
3. प्रतिस्पर्धी कीमतों पर कच्ची सामग्री उपलब्ध करवाकर रूग्ण, लघु एवं मध्यम उद्योगों के पुनरुद्धार संबंधी कार्यनीति तैयार की जानी चाहिए ।
4. रक्षोपाय शुल्क लगाते समय लोकहित को ध्यान में रखा जाना चाहिए । रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने से लघु उद्योगों में रोजगार का नुकसान होगा और ये उद्योग बंद हो जाएंगे ।
5. रक्षोपाय शुल्क घरेलू आपात स्थिति के लिए होता है न कि वैश्विक आपात स्थितियों के लिए । जब यह एक वैश्विक समस्या है तो रक्षोपाय शुल्क की जरूरत नहीं है ।
6. हिण्डाल्को और नाल्को की लागत संरचना पर केवल क्षति निर्धारण की गणनाओं के लिए किया जाए । वेदांता की उच्च लागत कम क्षमता उपयोग के कारण है ।
7. लाभप्रदता में कमी, विस्तार, अति विस्तार और आंतरिक पुनर्गठन के कारण आई है ।
8. घरेलू उद्योग निवेश पर 100% से अधिक आय प्राप्त कर रहा है ।
9. कच्ची सामग्री कोयला एवं अल्यूमिना की लागत में गिरावट आई है ।
10. भारत में माँग बढ़ रही है । भारतीय उत्पादकों ने चीन को पर्याप्त निर्यात शुरू कर दिए हैं ।

11. भारतीय उत्पादक एलएमई ग्रेड के अल्यूमीनियम (99.7% न्यूनतम शुद्धता) या गैर-एलएमई (98-99.6% शुद्धता) का उत्पादन करते हैं। भारी लाभ कमाने के लिए प्रमुख उत्पादक अल्यूमीनियम का निर्यात करते हैं। उत्पादन जारी रखने के लिए गौण विनिर्माता आयात करते हैं।

12. घरेलू उत्पादन की तुलना में आयात 7.5% के स्तर पर रहे हैं जो काफी अधिक है। भारतीय उत्पादकों ने 80,000 मी. टन से अधिक का निर्यात किया है।

13. अधिकांश आयातित धातु निर्यात हकदारियों पर हैं और ये एलएमई ग्रेडों से भिन्न ग्रेडों के किए गए हैं जिनकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत कम है।

14. केबल एंड कंडक्शन मैनु. एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सदस्य भारत में उत्पादित अल्यूमीनियम के लगभग 40-45% भाग की खपत करते हैं। भारतीय उत्पादकों की मनोवृत्ति भारी मुनाफा कमाने की है।

जिंदल अल्यूमीनियम

1. भारत में अल्यूमीनियम एक्सट्रूजन के उत्पादन-लगभग 27,000 मी. टन वार्षिक का उपयोग ऑटोमोबाइल, वस्त्र, वातानुकूलन, निर्माण आदि में होता है।

2. नाल्को, हिण्डाल्को, बाल्को द्वारा गौण विनिर्माताओं और उपभोक्ताओं की तलाश की जा रही है ताकि भारी मुनाफा कमाया जा सके।

3. लंदन मेटल एक्सचेंज अल्यूमीनियम की कीमत तय करता है। यद्यपि अंतर्राष्ट्रीय कीमत 1400 अम. डा. प्रति मी. टन है तथापि विनिर्माण लागत 1200 अम. डा. से कम और बिक्री लागत 1600 अम. डा. है और इस प्रकार कोई क्षति नहीं हुई है।

4. घरेलू उत्पादक एलएमई से कम पर भारी मात्रा में निर्यात कर रहे हैं और अभी भी मुनाफा कमा रहे हैं।

5. कुल आयात कुल उत्पादन के 7.5% से कम हुए हैं जो काफी कम हैं।

6. घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है। प्राथमिक उत्पादों का उद्देश्य गौण विनिर्माताओं की लागत पर मंदी अवधि में भी भारी लाभ कमाना है और इस प्रकार कोई घाटा नहीं हुआ है।

7. वे उत्पादन लागत को कम कर सकते हैं या प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ा सकते हैं।

8. रक्षोपाय शुल्क जनहित में नहीं है।

महानिदेशक के जांच परिणाम

(क) तुरंत रक्षोपाय शुल्क लगाने के मुद्दे की जांच की गई थी। यह पाया गया है कि 29.03.1995 और 12.11.2008 के बीच की अवधि के दौरान डब्ल्यूटीओ को कुल 168 रक्षोपाय संबंधी जांच शुरुआतों की सूचना दी गई है। यह पाया गया है कि अनंतिम रक्षोपाय शुल्क की सिफारिश अनिवार्यतः अतिशीघ्र की गई है। वस्तुतः अनेक मामलों में जांच शुरुआत की तारीख को ही अनंतिम रक्षोपाय की सिफारिश की गई है। दिनांक 29.07.1997 की अधिसूचना सं. 35/1997-एनटी-सी.शु. के तहत जारी सीमाशुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क का अभिज्ञान एवं निर्धारण) नियम, 1997 के नियम 9 में यह निर्धारित है कि महानिदेशक जांच की कार्यवाही तुरंत शुरू करेगा

और निर्णायक परिस्थितियों में वह गंभीर क्षति या गंभीर क्षति के खतरे के बारे में प्रारंभिक जांच परिणाम दर्ज कर सकता है। जांच को शासित करने वाले सिद्धांत रक्षोपाय नियमावली के नियम 6 में निर्धारित है, जो नियम 9 से स्वतंत्र है। रक्षोपाय नियमावली के नियम 15 में जांच संपन्न होने के बाद पहले से अधिरोपित और संग्रहीत अनंतिम शुल्क से कम रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने के मामले में रक्षोपाय शुल्क में अंतर की वापसी का प्रावधान है। इसका तात्पर्य यह है कि यदि महानिदेशक अंततः रक्षोपाय शुल्क न लगाने की सिफारिश करते हैं तो संस्तुत और संग्रहीत अंतरिम रक्षोपाय शुल्क की वापसी की जाएगी। उक्त नियम के नियम 6, 9 और 15 के सुमेलित पाठन से यह निष्कर्ष निकलता है कि नियमों में प्रारंभिक जांच परिणामों के आधार पर अनंतिम रक्षोपाय शुल्क की तुरंत सिफारिश करने और इस बात की पुष्टि होने के बाद कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का अनुपालन करते हुए नियम 6 के तहत जांच सम्पन्न होने के बाद लगाया गया शुल्क अनंतिम रक्षोपाय शुल्क से कम है तो उसके अंतर को वापस करने का प्रावधान है तथापि आपात परिस्थितियों में अनंतिम रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने में होने वाले किसी विलंब से ऐसी क्षति हो सकती है जिसकी भरपाई करना कठिन होगा। तदनुसार, यह विवेकपूर्ण माना गया था कि इन परिस्थितियों का विश्लेषण किया जाए ताकि यह निर्धारण किया जा सके कि क्या वे आपात परिस्थितियों की श्रेणी में आती हैं।

(ख) **जांचाधीन उत्पाद** : वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद “अपरिष्कृत अल्यूमीनियम, अल्यूमीनियम अपशिष्ट एवं अल्यूमीनियम स्क्रेप” है। आवेदक ने विचाराधीन उत्पाद को संक्षेप में निम्नानुसार स्पष्ट किया है-

अल्यूमीनियम इनगॉट्स

इनगॉट्स की ढलाई किसी मिश्रित धातु सहित या रहित गलाई गई अल्यूमीनियम धातु से की जाती है।

- (i) ढलवाँ/एसओडब्ल्यू इनगॉट्स 22 कि.ग्रा. (ढलवाँ) तथा लगभग 500 कि.ग्रा. (एसओडब्ल्यू) के आकार में पुनः गलाकर तैयार किए जाते हैं।
- (ii) गोल इनगॉट्स (बिलेट्स) का उपयोग निष्कर्षित उत्पादों के उत्पादन में किया जाता है। इसका आकार गोलाकार होता है और इसकी ढलाई ठोस तथा खोखले आकार में की जाती है।
- (iii) अलौह इनगॉट्स का उपयोग ऑटोमोबाइल तथा मशीनरी जैसे विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए पुनः गलाने और अलॉय की ढलाई करने के लिए किया जाता है।

अल्यूमीनियम तार की रॉडें

यह उत्पाद 9.5 मि.मी. के सर्वाधिक सामान्य व्यास (अन्य व्यास 7.6 मि.मी. तथा 12.5 मि.मी. के हैं) के साथ प्रोपर्जी मिल में गलाए गए अल्यूमीनियम से प्राप्त किया जाता है। इस उत्पाद का मुख्यतः उपयोग विद्युत केबलों और कंडक्टरों के उत्पादन में किया जाता है। इसका उत्पादन तीन श्रेणियों में होता है।

- विद्युत सुचालकता (ईसी) तार की रॉड
- वाणिज्यिक ग्रेड (जीसी) तार की रॉड
- अलौह तार की रॉड

अल्यूमीनियम कास्ट स्लैब/स्ट्रिप

इस उत्पादन की ढलाई मिश्रित तत्वों सहित या रहित गलाए गए अल्यूमीनियम धातु से की जाती है। इनका उपयोग बस बार के रूप में विद्युत पारेषण के प्रत्यक्ष उपयोग के अलावा रोल्ड उत्पादों के उत्पादन में किया जाता है।

- वाणिज्यिक ग्रेड (जीसी) तार की रॉड
- अलौह तार की रॉड

आवेदकों ने विचाराधीन उत्पाद के विभिन्न प्रकारों के अनुप्रयोग और अंतिम उपयोग को आगे निम्नानुसार स्पष्ट किया :

उत्पाद	अंतिम उपयोग
अलॉय से इतर इनगॉट्स	एक्सट्रूजन, केबल, कंडक्टर, गौण वायर रॉड, धातु पाउडर, रसायन, अलॉय इनगॉट्स जो ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए हैं जैसे अल्यूमीनियम उत्पाद के किसी प्रकार के लिए विविध ढलाई, बर्तन आदि के लिए आधारभूत धातु
अलॉय इनगॉट्स	ऑटो संघटकों, विविध ढलाई हेतु अल्यूमीनियम ड्राई ढलाई उद्योग
अलॉय से इतर वायर रॉड	केबलों तथा अलॉय से इतर कंडक्टरों के विनिर्माण हेतु तार तैयार करना
अलॉय वायर रॉड्स	अलॉय कंडक्टरों के विनिर्माण हेतु तार तैयार करना
अलॉय बिलेट्स से इतर	एक्सट्रूजन
अलॉय बिलेट्स	एक्सट्रूजन
अलॉय से इतर वायर बार्स	सजावट, निर्माण, रिबेट्स आदि
अलॉय वायर बार्स	सजावट, निर्माण, रिबेट्स आदि

उत्पाद निम्नानुसार वर्गीकृत है :

उत्पाद के नाम	वर्गीकरण
अपरिष्कृत अल्यूमीनियम	7601
अल्यूमीनियम अलॉय से इतर	760110
इनगॉट्स	76011010
बिलेट्स	76011020
वायर बार्स	76011030
वायर रॉड्स	76011040
अन्य	76011090
अल्यूमीनियम अलॉय	760120
इनगॉट्स	76012010
बिलेट्स	76012020
वायर बार्स	76012030
वायर रॉड्स	76012040
अन्य	76012090
अल्यूमीनियम अपरिष्कृत एवं स्लैब	7602

आवेदकों ने स्पष्ट किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु समस्त अनिवार्य विशेषताओं के संबंध में आयातित वस्तु से तुलनीय है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और आयातित वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित और आयातित संबद्ध वस्तु भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय है। दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता इनका उपयोग अदल-बदलकर कर रहे हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध उत्पाद को विचाराधीन उत्पाद के समान या प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी उत्पाद माना जा रहा है।

याचिकाकर्ता ने स्पष्ट किया है कि आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना से यह पता चलता है कि अल्यूमीनियम अपशिष्ट तथा स्क्रेप की खपत सर्वप्रथम अल्यूमीनियम अपशिष्ट तथा स्क्रेप को गलाकर इन उत्पादों के उत्पादन में की जाती है। इसी प्रकार अपरिष्कृत अल्यूमीनियम की खपत ऐसे अपरिष्कृत अल्यूमीनियम को सर्वप्रथम गलाकर इन उत्पादों के उत्पादन में की जाती है। अल्यूमीनियम अपशिष्ट तथा स्क्रेप या अपरिष्कृत अल्यूमीनियम को एक बार गला लेने के बाद उपभोक्ताओं का एकमात्र सरोकार गलाए गए अल्यूमीनियम में वांछित तकनीकी गुणधर्मों तथा अशुद्धता के स्तर की मौजूदगी से रहता है। उत्पादन प्रक्रिया को भी उपभोक्ताओं द्वारा विनियमित किया जा सकता है ताकि वे गलाए गए अल्यूमीनियम में वांछित तकनीकी विनिर्देशन प्राप्त कर सकें। तत्पश्चात् गलाए गए इस प्रकार के अल्यूमीनियम का उपर्युक्त सूचीबद्ध उत्पाद प्राप्त करने के लिए आगे और प्रसंस्करण किया जाता है। इस प्रकार अल्यूमीनियम अपशिष्ट तथा स्क्रेप और अपरिष्कृत अल्यूमीनियम की खपत, इनमें से जिसके भी सस्ता होने पर एक-दूसरे के स्थान पर की जा सकती है।

इस प्रकार उपर्युक्त पर विचार करते हुए रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना तथा नियमों के अंतर्गत विधिक अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए यह माना जाता है कि अल्यूमीनियम अपशिष्ट और अपरिष्कृत अल्यूमीनियम प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी उत्पाद हैं अतः अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और आपूर्त अपरिष्कृत अल्यूमीनियम आयातित अल्यूमीनियम अपशिष्ट तथा स्क्रेप से प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी है।

घरेलू उद्योग : यह आवेदन मै. अल्यूमीनियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया, 118, प्रथम तल, रमन श्री आर्कड, 18, एम. जी. रोड, बंगलौर-560001 द्वारा दायर किया गया है। हिण्डाल्को इंडस्ट्रीज लि. (हिण्डाल्को), पंजी. कार्यालय " सेंचुरी भवन ", तीसरा तल, डॉ. एनी बेसेंट रोड, वरली, मुम्बई-400030; नाल्को इंडिया लि. (नाल्को), नाल्को भवन, पी/1, नयापल्ली, भुवनेश्वर-751013; भारत अल्यूमीनियम कं. लि. (बाल्को), दूसरा तल, कोर-6, स्कोप कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003 तथा मद्रास अल्यूमीनियम कं. लि. (माल्को), मैत्तुर डैम आर. एस. 636402, सलेम जिला, तमिलनाडु परस्पर उक्त एसोसिएशन के सदस्य हैं। यद्यपि बाल्को, माल्को और नाल्को ने जांच से संगत समस्त सूचना उपलब्ध कराई है तथापि हिण्डाल्को ने लागत, लाभप्रदता एवं क्षतिरहित कीमत से संबंधित सूचना को छोड़कर समस्त सूचना उपलब्ध कराई है।

भारतीय उत्पादन में नाल्को, बाल्को और माल्को का हिस्सा निम्नानुसार रहा है :

आधार	भारतीय उत्पादन	नाल्को, माल्को, बाल्को	नाल्को, माल्को, बाल्को का हिस्सा
	मी. टन	मी. टन	%
2005-06	773,907	505,585	65.33
2006-07	920,666	642,768	69.82

2007-08	1,001,179	689,590	68.88
अप्रैल-08 सित.-08	517,314	342,333	66.18
अक्तूबर-08	91,786	57,165	62.28
नवम्बर-08	88,646	55,100	62.16
दिसम्बर-08	93,422	55,844	59.78
जनवरी-09	88,720	56,189	63.33
फरवरी-09	82,573	53,127	64.34
मार्च-09	93,826	58,393	62.24

इनमें से किसी कंपनी द्वारा वाणिज्यिक बाजार में अल्यूमीनियम अपशिष्ट तथा स्क्रेप की आपूर्ति नहीं की जाती है। इसके अलावा, भारत में ऐसी कुछ कंपनियाँ हैं जो विदेशी स्रोतों से अल्यूमीनियम अपशिष्ट तथा स्क्रेप की खरीद कर रही हैं और बाजार में अल्यूमीनियम वायर रॉडों का उत्पादन कर उनकी बिक्री कर रही हैं। वायर रॉड विचाराधीन उत्पाद के दायरे में आने वाला उत्पाद है और इसका उत्पादन और बिक्री उपर्युक्त कंपनियों द्वारा की जा रही है। तथापि, ऐसी कंपनियों को विचाराधीन उत्पाद के “उत्पादक” नहीं माना जा रहा है क्योंकि वे मूलभूत उत्पादन कार्यकलाप नहीं कर रही हैं और केवल आयातित अल्यूमीनियम अपशिष्ट तथा स्क्रेप का प्रसंस्करण कर रही हैं।

रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर प्रारंभिक रूप से यह निर्धारण किया जाता है कि तीनों कंपनियों (नाल्को, बाल्को और माल्को) का उत्पादन भारतीय उत्पादन में एक बड़ा हिस्सा बनता है। तीनों कंपनियों नियमों के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग हैं।

अप्रत्याशित घटनाक्रम : वर्तमान वैश्विक मंदी, जिसका प्रभाव विकसित देशों में अधिक रहा है, से विचाराधीन उत्पाद की माँग में गिरावट आई है। परिणामतः उत्पादकों को पर्याप्त अप्रयुक्त क्षमताओं का सामना करना पड़ा है। जुलाई, 08 के दौरान फरवरी, 09 में कम माँग और स्टॉक घटकर 1330 डॉलर/मी. टन होने से पूर्व अब तक सबसे अधिक 3291 डॉ./मी. टन के सर्वोच्च स्तर पर पहुँच गया क्योंकि आर्थिक मंदी के कारण माँग में गिरावट आई।

माह	एलएमई मासिक औसत अम. डा./मी. टन
अप्रैल-08	2,959
मई-08	2,903
जून-08	2,958
जुलाई-08	3,071
अगस्त-08	2,764
सितम्बर-08	2,526
अक्तूबर-08	2,121
नवम्बर-08	1,852
दिसम्बर-08	1,490
जनवरी-09	1,413
फरवरी-09	1,330
मार्च-09	1,336

विश्व भर में भाण्डागारों में धातु के स्टॉक में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। एलएमई स्टॉक ति.1 08 में 1.032 मि. मी. टन से बढ़कर ति.04 08 में 3.5 मि. मी. टन हो गया है अर्थात् स्टॉक के स्तर में 350% की वृद्धि हुई।

माह	एलएमई वैश्विक स्टॉक मि. टन में
दिस.-2005	636,814
दिस.-2006	681,686
दिस.-2007	930,572
अप्रैल-08	1,031,392
मई-08	1,051,946
जून-08	1,078,356
जुलाई-08	1,107,333
अगस्त-08	1,140,949
सितम्बर-08	1,270,985
अक्टूबर-08	1,456,917
नवम्बर-08	1,650,023
दिसम्बर-08	2,043,337
जनवरी-09	2,810,825
फरवरी-09	3,226,700
मार्च-09	3,477,300

कमजोर माँग के साथ कम कीमतों, उच्च स्टॉक के कारण उत्पादक अपने उत्पाद को कम करने के लिए बाध्य हुए हैं। घोषित कटौती की वर्तमान मात्रा 7.2 मि. एमटीपीए रहने का अनुमान है (स्रोत-ब्रुकहंट अप्रैल, 09)

कंपनी	कटौती
अलकोआ (वर्ल्ड वाइड)	850000
रियो टिन्टो- अलकान वर्ल्ड वाइड	490000
यूसी-रूजाल वर्ल्ड वाइड	500000
विमेटको वर्ल्ड वाइड	435000
नॉर्स्क हाइड्रो वर्ल्ड वाइड	500000
नोरांडा नॉर्थ अमरीका	186200
सेंचुरी अल्यूमीनियम- यूएसए	170000
टर्मेट-एससन-जर्मनी	90000
कैसर अल्यूमीनियम-जर्मनी	74000
कोलंबिया फाल्स-यूएसए	66000
कैप- मोटेग्रो	60000
वैले ब्राजील	57000
इम्पैक्स मेटल पोलैंड	55000
टैल्को तजाकिस्तान	42150
माल्को भारत	40000
बाल्को भारत	25000
अलिमिनिज मोस्टार- बोस्निया	33750
चीन (चाल्को एवं अन्य)	3550000
कुल	7224100

वैश्विक अर्थव्यवस्था में तेजी से आई मंदी के कारण खासकर पश्चिमी अर्थव्यवस्था के प्रमुख उद्योग प्रतिकूलतः प्रभावित हुए हैं। अल्यूमीनियम के प्रमुख अंतिम उपयोग करने वाला ऑटोमोबाइल क्षेत्र की संभावना सबसे खराब बनी रही क्योंकि अमरीका में नई कारों की बिक्री में 36% से अधिक की कमी आई है। अपनी उत्कट अभिलाषा के बावजूद चीन पश्चिम में माँग में आई तीव्र कमी की पूर्ति नहीं कर सकेगा। यह तथ्य कि चीन की क्षमता 0.7 मि. मी. टन तक निष्क्रिय पड़ी हुई है इसलिए सही है कि कीमत पर आगे और गिरावट का जोखिम विद्यमान है।

आयातों में वृद्धि प्रमुख देशों के पास बेशी क्षमताओं के कारण हुई है। भारतीय बाजार न केवल काफी बड़ा है अपितु अत्यंत स्थिर, सतत धारणीय है और वह वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं को पर्याप्त बाजारी अवसर प्रदान करता है।

अध्याय 7602 के अंतर्गत हुए आयातों पर अध्याय 7601 में शामिल आयातों पर 5% के मूल सीमाशुल्क की तुलना में शून्य शुल्क लागू होता है। इससे आयातित अल्यूमीनियम अपशिष्ट एवं स्क्रेप की माँग में अत्यधिक अननुपातिक वृद्धि हुई है।

अतः यह देखा जाता है कि उपर्युक्त ऐसी अप्रत्याशित परिस्थितियाँ हैं जिनमें आयातों में भारी वृद्धि हुई है।

संवर्धित आयात

(क) आयातों में समग्र रूप में वृद्धि

यह निर्धारण करने के लिए कि क्या विचाराधीन उत्पाद के आयातों में नियमों के अर्थ के भीतर वृद्धि हुई है। वर्ष 2005-06 से हुए इस उत्पाद के आयातों की विस्तार से जाँच की गई थी। डीजीसीआई एंड एस द्वारा प्रकाशित सूचना पर अक्टूबर, 2008 तक की अवधि के लिए विचार किया गया है। चूंकि परवर्ती अवधि के लिए डीजीसीआई एंड एस ने सूचना जारी नहीं की है इसलिए परवर्ती अवधि के लिए गौण स्रोतों (इंटरनेशनल बिजनेस इंफॉर्मेशन सर्विसेज) द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना स्वीकार की गई है। अपरिष्कृत अल्यूमीनियम तथा अल्यूमीनियम अपशिष्ट एवं स्क्रेप दोनों के आयातों में संचयी रूप से वृद्धि हुई है। विचाराधीन उत्पाद के आयात निम्नानुसार रहे थे-

		आयात प्रति माह मी. टन में	वृद्धि/ह्रास %
2006-07	357,378	29,781	
2007-08	395,957	32,996	
अप्रैल- सित.-07	211,778	35,296	19%
अक्तू.-दिस.-07	88,104	29,368	-17%
जन.-मार्च-08	96,074	32,025	9%

अप्रैल-सित.-08	231,793	38,632	21%
अक्तू.-दिस.-08	85,170	28,390	-27%
जन.-मार्च -09	131,858	43,953	55%

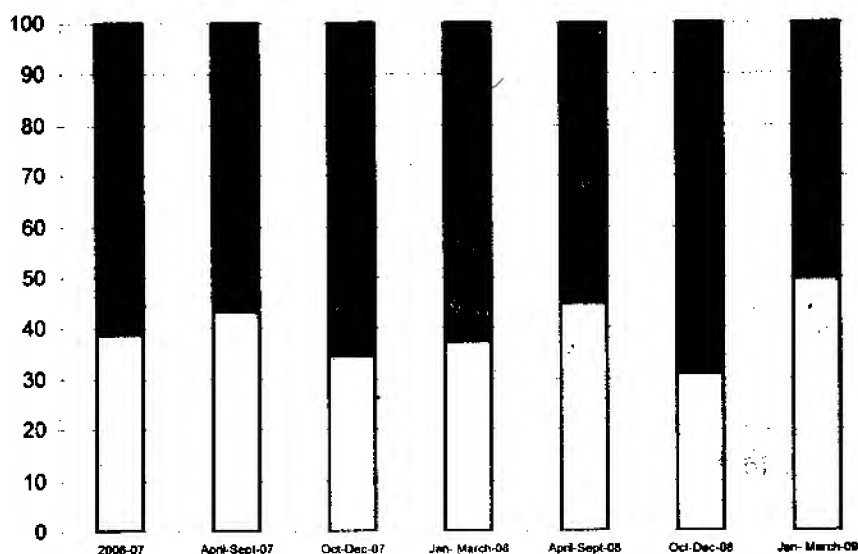
यह देखा जाता है कि हाल की अवधि में उत्पाद के आयातों में वृद्धि हुई है। आयातों की औसत मात्रा जो सित., 08 तक 38600 मी. टन के आसपास रही थी। अक्तूबर-दिसंबर 08 में घटकर 28,400 मी. टन हो गई और तत्पश्चात् जनवरी-मार्च, 2009 में बढ़कर 44,000 मी. टन हो गई। प्रारंभिक रूप से यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि उत्पाद के आयातों में अचानक एवं पर्याप्त वृद्धि प्रदर्शित हुई है।

अर्जेंटीना फुटवेयर (ईसी/डीसी121/एबी/आर) डब्लू टी ओ की एपिलेट शाखा का यह मानना है कि वर्धित आयातों के कारण गंभीर क्षति अथवा उसकी आशंका जैसी स्थितियाँ उत्पन्न होती हैं। (कृपया निर्णय का पैरा 130 और 131 से संदर्भ लें) ऐसी स्थिति में पूर्व वर्षों में अगर देखा जाए तो आयात में बढोत्तरी वर्ष 2006-07 में 357378 मी.टन से वर्ष 2007-08 में 39595 मी.टन जा पहुँचा और पुनः वर्तमान वर्ष 2008-09 में 448821 मी.टन जा पहुँचा।

(ख) भारतीय उत्पादन की तुलना में संवर्धन आयात

यह निर्धारित करने के लिए कि क्या उत्पाद के आयातों में भारतीय उत्पादन की तुलना में वृद्धि हुई है। आयातों की मात्रा की तुलना भारतीय उत्पादन के संबंध में की गई थी। निम्नलिखित तालिका से वास्तविक सूचना का पता चलता है।

	आयातों की मात्रा मी. टन में	भारतीय उत्पादन मी. टन में	भारतीय उत्पादन की तुलना में आयात
2006-07	357,378	920,666	38.82
2007-08	395,957	1,001,179	39.55
अप्रैल- सित.-07	211,778	490,066	43.21
अक्तू.-दिस.-07	88,104	254,216	34.66
जन -मार्च-08	96,074	256,898	37.40
अप्रैल-सित.-08	231,793	517,314	44.81
अक्तू.-दिस.-08	85,170	273,854	31.10
जन.-मार्च -09	131,858	265,119	49.74



(ग) भारत में मॉग/खपत की तुलना में आयात

तत्पश्चात् यह जांच की गई थी कि क्या उत्पाद के आयातों में भारत में खपत/मॉग की तुलना में वृद्धि हुई है। इस प्रयोजनार्थ मॉग का निर्धारण विचाराधीन उत्पाद के आयातों की मात्रा और भारतीय उत्पादकों की बिक्री के रूप में किया गया था। तालिका से वास्तविक सूचना का चलता है।

	आयातों की मात्रा	मॉग/खपत मी. टन में	भारत में खपत की तुलना में आयात % में
2006-07	357,378	1,024,259	34.89
2007-08	395,957	1,191,096	33.24
अप्रैल- सित.-07	211,778	600,990	35.24
अक्तू.-दिस.-07	88,104	290,004	30.38
जन.-मार्च-08	96,074	300,103	32.01
अप्रैल-सित.-08	231,793	631,837	36.69
अक्तू.-दिस.-08	85,170	258,958	32.89
जन.-मार्च -09	131,858	361,206	36.50

इस प्रकार, यह देखा जाता है कि :

- (क) आयातों में समग्र रूप में वृद्धि हुई है।
- (ख) आयातों में भारतीय उत्पादन की तुलना में वृद्धि हुई है।

(ग) आयातों में भारत में खपत की तुलना में वृद्धि हुई है ।

अतः यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि नियमों के अर्थ के भीतर अपरिष्कृत अल्यूमीनियम तथा अल्यूमीनियम अपशिष्ट एवं स्क्रेप के भारत में हुए आयातों में वृद्धि हुई है ।

गंभीर क्षति तथा गंभीर क्षति का खतरा

इस बात की जांच की गई है कि क्या उक्त वस्तु के संवर्धित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हुई है । इस बात की भी जांच की गई थी कि क्या उक्त वस्तु के संवर्धित आयातों से घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति होने का खतरा उत्पन्न हुआ है । उक्त वस्तु के आयातों में समग्र रूप में तथा भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में अचानक और पर्याप्त वृद्धि देखी गई है । यह नोट किया जाता है कि आयात की मात्रा में अत्यधिक और तेजी से गिरती हुई आयात कीमतों के रूप में वृद्धि हुई है ।

घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति के संबंध में नियमों में निम्नानुसार उपबंध है-

महानिदेशक अन्य बातों के साथ-साथ इन नियमों के अनुबंध में निर्धारित सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग को हुई गंभीर क्षति या गंभीर क्षति के खतरे का निर्धारण करेगा ।

नियमावली के अनुबंध में निम्नानुसार प्रावधान है

इस बात का निर्धारण करने कि क्या संवर्धित आयातों से किसी घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हुई है या उसका खतरा उत्पन्न हुआ है, से संबंधित जांच में महानिदेशक उक्त उद्योग की स्थिति पर खासकर समग्र एवं तुलनात्मक रूप में संबंधित वस्तु के आयातों में वृद्धि की दर और उसकी मात्रा, संवर्धित आयातों द्वारा प्राप्त घरेलू बाजार का हिरसा, बिक्री स्तर में परिवर्तन, उत्पादन, उत्पादकता, क्षमता उपयोग, लाभ एवं हानि और रोजगार के स्तर में परिवर्तन के रूप में प्रभाव डालने वाले तथ्यपरक एवं अनुमेय स्वरूप के समस्त संगत कारकों का मूल्यांकन करेगा ।

जैसाकि डब्ल्यूटीओ द्वारा उसके समक्ष आए मामलों में यह अवधारित किया गया है, यह आवश्यक नहीं है कि नियमों में सूचीबद्ध प्रत्येक मापदण्ड से क्षति प्रदर्शित होनी चाहिए । यदि एक या अधिक मापदण्ड निष्पादन में पर्याप्त विकृति प्रदर्शित करते हैं तो यह मानने के लिए पर्याप्त होगा कि घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हुई है तथापि घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में नियमों में निर्धारित सभी मापदण्डों की जांच की गई है ।

जैसाकि ऊपर उल्लेख किया गया है, विचाराधीन उत्पाद के आयातों में अचानक और पर्याप्त वृद्धि देखी गई है। आयातों में वृद्धि की दर और मात्रा समग्र रूप में और तुलनात्मक रूप में काफी अधिक है। जहाँ तक घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाने वाले संवर्धित आयातों के प्रभाव का संबंध है, इसका विश्लेषण नीचे किया गया है।

माँग का निर्धारण

देश में उत्पाद की माँग या प्रत्यक्ष खपत का निर्धारण घरेलू उत्पादकों की घरेलू बिक्री की राशि और समस्त स्रोतों से हुए आयातों की मात्रा के रूप में किया गया है। इस प्रकार, निर्धारित माँग को निम्नलिखित तालिका को देखा जा सकता है :

वर्ष/अवधि	माँग (मी. टन)	प्रति माह औसत माँग (मी. टन)
2005-06	957,155	79,763
2006-07	1,024,259	85,355
2007-08	1,191,096	99,258
अप्रैल-सित. -08	631,837	105,306
अक्तू.-दिस. -08	258,958	86,319
जन.-मार्च -09	361,206	120,402

यह देखा गया है कि देश में उत्पाद की माँग में सितम्बर, 08 तक वृद्धि हो रही थी परन्तु अक्तू.-दिस., 08 में उसमें भारी गिरावट आई और तत्पश्चात् इसमें वृद्धि हुई। जनवरी-मार्च, 09 की अवधि में माँग वस्तुतः अप्रैल-सित., 08 में रही माँग की तुलना में अधिक रही थी। यह देखा जा सकता है कि भारत में उत्पाद की माँग में वैश्विक मंदी के बावजूद कमी नहीं आई है। इसके विपरीत, कई देशों में माँग में पर्याप्त गिरावट आई है।

कीमत प्रभाव- इस बात का निर्धारण करने के लिए कि क्या विचाराधीन उत्पाद के आयातों द्वारा बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती की जा रही है, आयातों की पहुँच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के साथ की गई है। यह नोट किया जाता है कि उसी माह में आयातों की अत्यधिक अलग-अलग कीमतों की सूचना दी गई है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि तुलनात्मक रूप से कम अवधि में कीमतों में इतनी गिरावट आई थी कि कई मामलों में उत्पाद को कम कीमत पर बुक किया गया था। तथापि, उस समय तक भारत में सामग्री आ चुकी थी और कीमतों में बमुश्किल आगे गिरावट आई थी।

वर्ष/अवधि	7601	7602	7601 एवं 7602 का औसत	घरेलू उद्योग
2006-07	122,800	85,975	97,497	124,654
2007-08	109,380	81,738	93,593	111,531
अप्रैल-सित. 08	123,178	81,256	97,017	126,792
अक्तू.-08	133,358	101,312	115,020	105,388
नव.-08	128,184	93,702	109,846	101,270
दिस.-08	126,012	78,154	98,259	92,400
जन.-09	107,460	69,498	87,116	84,979
फर.-09	85,174	60,065	73,763	80,798
मार्च-09	74,223	56,590	67,140	76,546

घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में उत्पाद की कीमतें लंदन मेटल एक्सचेंज (एलएमई) द्वारा शासित होती हैं और अधिकांश व्यापार एलएमई में होता है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि एलएमई की कीमतों में अत्यधिक गिरावट आई है और यह गिरावट भी बार-बार हुई है।

माह	एलएमई मासिक औसत अम. डा./मी. टन
अप्रैल-08	2,959.27
मई-08	2,902.90
जून-08	2,957.86
जुलाई-08	3,071.24
अगस्त-08	2,764.38
सितम्बर-08	2,525.82
अक्तूबर-08	2,121.41
नवम्बर-08	1,852.43
दिसम्बर-08	1,490.43
जनवरी-09	1,413.12
फरवरी-09	1,330.20
मार्च-09	1,335.84

यह निर्धारित करने के लिए कि क्या आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हो रही है और क्या आयातों का घरेलू बाजार में उत्पाद की कीमतों पर ह्रासकारी या न्यूनकारी प्रभाव पड़ रहा है, एलएमई कीमत में प्रवृत्तियों की जांच की गई थी। यह देखा गया है कि उत्पाद की कीमत में भारी गिरावट आई है और वह भी बार-बार आई है। उत्पाद के स्वरूप और घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई कीमत नीति के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में भी अत्यधिक और तेजी से गिरावट आई है। अतः यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि उक्त उत्पाद के आयातों द्वारा बाजार में भारी कीमत ह्रास हुआ है। कीमत में ह्रास इतना अधिक हुआ है कि घरेलू उद्योग की कीमतें पूर्ण उत्पादन लागत से भी काफी कम हैं।

उत्पादन : इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का उत्पादन निम्नानुसार रहा है -

अवधि	अवधि के लिए उत्पादन	मासिक उत्पादन	% परिवर्तन	प्रति माह माँग	% परिवर्तन
2006-07	920666	76722		85,355	
2007-08	1001179	83432	9%	99,258	16%
अप्रैल- सित. 08	517314	86219	3%	105,306	6%
अक्तू-दिस. 08	273854	91285	6%	86,319	-18%
जन.- मार्च, 09	265119	88373	-3%	120,402	39%

उक्त उत्पाद का औसत प्रति माह उत्पादन में वर्ष 2006-07 से अक्टूबर-दिसम्बर, 2008 तक वृद्धि हुई है। लेकिन उसके बाद जनवरी-मार्च, 09 में उत्पादन में भारी गिरावट आई है। इसके अलावा, जहाँ माँग में लगभग 40% की भारी वृद्धि प्रदर्शित हुई, वहीं इस अवधि में उत्पादन में लगभग 3% की गिरावट आई।

यह नोट किया जाता है कि विश्व बाजार में लगभग 72 लाख मी. टन (जो सकल भारतीय माँग से काफी अधिक और भारतीय उत्पादन के 6 वर्ष के उत्पादन से अधिक है) की सीमा तक उत्पादन में बड़े पैमाने पर कटौती की गई है। यह नोट किया जाता है कि आयातों द्वारा उत्पन्न की गई प्रतिकूल बाजारी स्थितियों के कारण घरेलू उद्योग के घटक इतनी सीमा तक उत्पादन में कटौती करने के लिए बाध्य हुए हैं कि माल्को ने नवम्बर, 2009 से उत्पादन पूर्णतः रोक दिया है। इस आशय का विस्तृत साक्ष्य (क) रूटर्स : सीबीआई चीन तथा (ख) सीआरयू द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर प्रदान किया गया था।

क्षमता उपयोग : घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में घट-बढ़ निम्नलिखित तालिका के अनुसार रही है :

अवधि	क्षमता उपयोग (%)
2006-07	75.84
2007-08	81.07
अप्रैल- सित. 08	80.20
अक्तू.-दिस.08	83.81
जन.- मार्च, 09	79.97

यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में दिसम्बर, 2008 तक वृद्धि हो रही थी। तथापि, जनवरी-मार्च, 09 की तिमाही में आयातों में हुई अचानक वृद्धि के कारण इसमें तेजी से गिरावट आई जो घटकर 79.97% हो गया। घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग के स्तर में संवर्धित आयातों के अभाव में वृद्धि हुई होती। यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग संवर्धित आयात न होने की स्थिति में लगभग 90.4% के स्तर पर प्रचालन कर रहा होता (इसकी गणना आयातों की उस मात्रा पर विचार करके की गई है जो अत्यधिक वृद्धि न होने पर हुए होते। इस स्तर की गणना अप्रैल, 2006 तथा दिसम्बर, 2008 के बीच हुए आयातों की औसत दर पर विचार करते हुए 32,433 मी. टन प्रति माह के स्तर पर की गई थी। इस प्रकार, जनवरी-मार्च, 09 की अवधि में 11,520 मी. टन की दर से अतिरिक्त आयातों का पता चलता है। यदि घरेलू उद्योग ने जनवरी-मार्च, 09 के दौरान प्रति माह अतिरिक्त 11520 मी. टन का उत्पादन किया होता तो क्षमता उपयोग 90.4% के आसपास रहा होता। अतः यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि संवर्धित आयातों से क्षमता उपयोग में गिरावट आई है।

बिक्री : इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा की जांच की गई थी। वास्तविक स्थिति निम्नानुसार है :

वर्ष	बिक्री मी. टन	प्रति माह बिक्री मी. टन	माँग मी. टन
2005-06	594,845	49,570	957,155
2006-07	666,881	55,573	1,024,259
2007-08	795,140	66,262	1,191,096
अप्रैल- सित. 08	400,044	66,674	631,837
अक्तू.-दिस.08	173,788	57,929	258,958
जन.- मार्च, 09	229,348	76,449	361,206

घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा और बाजार में माँग की तुलना करते हुए यह नोट किया जाता है कि माँग में वृद्धि बिक्री मात्रा में वृद्धि से अधिक दर पर हुई है। इस प्रकार यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग बाजार में पैठ बनाने में असमर्थ था और वह बाजार में माँग में हुई वृद्धि का लाभ प्राप्त नहीं कर सका।

घरेलू बिक्री कीमत में गिरावट

इस अवधि के दौरान घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में इतनी अधिक गिरावट आई है कि घरेलू उद्योग अब वित्तीय घाटा में आ गया है।

अवधि	बिक्री कीमत (रु./मी. टन)	सूचीबद्ध
2006-07	124,654	100
2007-08	111,531	89
अप्रैल-सित.-08	126,792	102
अक्तू.-08	105,388	85
नवम्बर-08	101,270	81
दिसम्बर-08	92,400	74
जनवरी-09	84,979	68
फरवरी-09	80,798	65
मार्च-09	76,546	61

बाजार हिस्सा

भारत में माँग/खपत में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से की जांच की गई थी। सत्यापित स्थिति निम्नानुसार है :

अवधि	घरेलू माँग में आवेदकों का हिस्सा (%)
2006-07	65.11
2007-08	66.76
अप्रैल- सित. 08	63.31
अक्तू.-दिस.08	67.11
जन.- मार्च, 09	63.50

यह अनुरोध किया जाता है कि अप्रैल-सितंबर, 2008 को छोड़कर घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में लगातार गिरावट आई है। तथापि, घरेलू उद्योग में जनवरी-मार्च, 09 में पर्याप्त बाजार हिस्सा गँवाया है जब यह अक्तूबर-दिसंबर, 08 के दौरान 67.11% से घटकर 63.50% हो गया अर्थात् इसमें ऐसी स्थिति में 5.4% की गिरावट आई जब इसी अवधि के दौरान माँग में 39% की वृद्धि हुई थी।

घरेलू बिक्री में लाभप्रदता

उत्पाद की घरेलू बिक्री पर घरेलू उद्योग के लाभ की जांच की गई थी। वास्तविक स्थिति निम्नानुसार है :

अवधि	कुल घरेलू बिक्री पर कर पूर्व लाभ (करोड़ रु.)	घरेलू बिक्री पर लाभ/(हानि) प्रति मी. टन	घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत
2006-07	2,346.04	49,963	124,654	74,692
2007-08	1,829.12	31,224	111,531	80,307
अप्रैल- सित. 08	1,139.96	36,849	126,792	89,943
अक्तू.-दिस. 08	65.76	5,149	99,875	94,726
जन.- मार्च, 09	(101.06)	(6,707)	81,110	87,817

यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में तेजी से गिरावट आई है। घरेलू उद्योग के लाभ में इतनी अधिक गिरावट आई है कि जहाँ घरेलू उद्योग अप्रैल-सितंबर, 08 की अवधि के दौरान 36849 रु./मी. टन का लाभ कमा रहा था वहीं उसे जनवरी-मार्च, 09 की तिमाही में 6707 रु. प्रति मी. टन का घाटा हुआ। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में भी तेजी से गिरावट आई है। तथापि, कीमत में गिरावट इतनी अधिक हुई थी कि घरेलू उद्योग अत्यधिक वित्तीय घाटे में चला गया है।

निवेश पर आय

निवेश पर आय में वही प्रवृत्ति रही है जैसी कि लाभप्रदता में रही थी जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है। जनवरी-मार्च, 09 की अवधि में निवेश पर आय ऋणात्मक हो गयी थी।

अवधि	निवेश पर आय (%)	सूचीबद्ध
2006-07	50.95	270
2007-08	40.04	213
अप्रैल- सित. 08	46.15	245
अक्तू.-दिस. 08	6.14	33
जन.- मार्च, 09	(8.16)	(43)

रोजगार का नुकसान

संवर्धित आयातों के कारण रोजगार का नुकसान हो रहा है। रोजगार में यह नुकसान इस तथ्य के बावजूद हुआ है कि घरेलू उद्योग के पास देश में श्रम कानूनों की वजह से रात भर कर्मचारियों को काम पर रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

अवधि	2007-08	अप्रैल-सित.-08	अक्टू.-08	नव.-08	दिस.-09	जन.-09	फर.-09	मार्च-09
कर्मचारियों की सं.	6,530	6,085	6,076	6,063	6,035	5,725	5,672	5,615

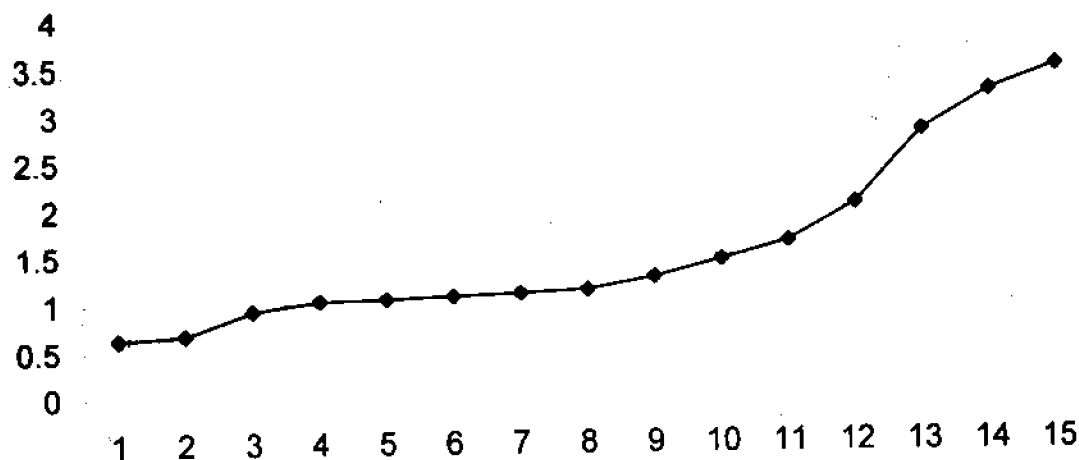
अत्युमीनियम की घटती हुई एलएमई कीमतें : एलएमई के अनुसार उत्पाद की कीमत में प्रवृत्ति की विस्तृत जांच की गई थी। यह नोट किया गया है कि एलएमई कीमतों में अत्यधिक गिरावट आई है। इस बात को देखते हुए कि उत्पादकों द्वारा विश्व भर में एलएमई कीमत पर उत्पाद की बिक्री की जाती है जिससे स्पष्टतः यह पता चलता है कि घरेलू बाजार में कीमतों में अत्यधिक गिरावट आना निश्चित है और इनके कम तथा उत्पादन लागत से भी कम रहने की संभावना है।

माह	एलएमई मासिक औसत अम. डा./मी. टन
अप्रैल-08	2,959.27
मई-08	2,902.90
जून-08	2,957.86
जुलाई-08	3,071.24
अगस्त-08	2,764.38
सितम्बर-08	2,525.82
अक्टूबर-08	2,121.41
नवम्बर-08	1,852.43
दिसम्बर-08	1,490.43
जनवरी-09	1,413.12
फरवरी-09	1,330.20
मार्च-09	1,335.84

एलएमई स्टॉक- एलएमई के पास उत्पाद के स्टॉक के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना से निम्नानुसार पता चलता है।

माह	एलएमई वैश्विक स्टॉक मी. टन में
दिस.-2005	636,814
दिस.-2006	681,686
दिस.-2007	930,572
अप्रैल-08	1,031,392
मई-08	1,051,946
जून-08	1,078,356
जुलाई-08	1,107,333
अगस्त-08	1,140,949

सितम्बर-08	1,270,985
अक्तूबर-08	1,456,917
नवम्बर-08	1,650,023
दिसम्बर-08	2,043,337
जनवरी-09	2,810,825
फरवरी-09	3,226,700
मार्च-09	3,477,300



अंतर्राष्ट्रीय रूप से जमा हुए संवर्धित स्टॉक और एलएमई में गिरावट का उपर्युक्त कारक घरेलू उद्योग को हुई क्षति और उसके खतरे का एक कारण है।

समायोजन योजना : घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित समायोजन योजना उपलब्ध कराई है-

(क) पुरानी सोडरबर्ग टेक्नोलॉजी स्मेल्टर की 1.0 एलटीपीए क्षमता को बंद करना और नवीनतम प्रिबैक्ड प्रौद्योगिकी के साथ नए स्मेल्टर की 3.25 एलटीपीए क्षमता का निर्माण।

(ख) क्षमता संवर्धन हेतु नवीनतम प्रि-पैक्ड टेक्नोलॉजी के साथ 3.25 एलटीपीए क्षमता के एक अन्य स्मेल्टर की स्थापना करना।

उपर्युक्त के परिणामस्वरूप उत्पादन लागत में पर्याप्त कमी आएगी। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने एक उपयुक्त/व्यवहार्य योजना उपलब्ध कराई है।

संवर्धित आयातों और गंभीर क्षति के खतरे के बीच कारणात्मक संबंध :

वर्ष 2006-07 से मार्च, 2009 की अवधि के लिए उपर्युक्त मापदंडों के व्यापक मूल्यांकन से संवर्धित आयातों के कारण गंभीर क्षति होने और गंभीर क्षति के आसन्नवर्ती खतरे का पता चलता है। कारणात्मक संबंध की पुष्टि निम्नलिखित से होती है-

(क) उक्त उत्पादों के आयात में पर्याप्त वृद्धि हुई है। परिणामतः जहाँ आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है वहीं घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट संवर्धित आयातों के कारण आई है।

(ख) संवर्धित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आने से उत्पादन कम हुआ है और परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में कमी आई है।

(ग) उक्त उत्पाद की आयात कीमत में पर्याप्त गिरावट आई है। परिणामतः घरेलू उद्योग उतनी सीमा तक कीमतें कम करने के लिए बाध्य हुआ है जिससे कि कीमतें उत्पादन लागत से भी कम हो गई हैं। परिणामतः घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा हुआ है और निवेश पर ऋणात्मक आय प्राप्त हुई है। इस प्रकार लाभ एवं निवेश पर आय में यह गिरावट कम कीमत पर हुए संवर्धित आयातों के कारण आई है।

(घ) अनेक वैश्विक प्रतिस्पर्धियों ने उत्पादन में कटौती की है। सकल उत्पादन में कटौती 7.2 एमटीपीए होने का अनुमान है। उत्पादन में इतनी अधिक कटौती होने के बावजूद एलएमई के पास इस वस्तु की मालसूची में लगभग 450% की वृद्धि हुई है।

(ङ) घरेलू उद्योग का रोजगार वर्ष 2007-08 में 6530 से घटकर मार्च, 2009 में 5615 हो गया है। इस प्रकार यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि उक्त उत्पादों के संवर्धित आयातों से घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हो रही है और उसका खतरा उत्पन्न हो गया है।

छोर प्रयोक्ताओं द्वारा किए गए आवेदन संबंधी निष्कर्ष

उपर चर्चित निष्कर्ष में आवेदकों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर ध्यान दिया गया है। यद्यपि एक बार पुनः उन्हीं निष्कर्षों पर नीचे चर्चा की जा रही है :

- a) यह गौर किया गया जब घरेलू उद्योग के मूल्य एलएमई के समान थे तो भी वर्तमान मूल्य एलएमई से अधिक था। यह तथ्य कुछ उपभोक्ताओं द्वारा भी स्वीकार किया गया जिन्होंने आवेदन प्रस्तुत किया। घरेलू उद्योग का वर्तमान बिक्री मूल्य उत्पादन लागत से कहीं कम है। अतः यह सुस्पष्ट है कि जिस स्थिति में घरेलू उद्योग की बिक्री में मुनाफा देखा गया वह एलएमई का अनुकूलन कर रहे थे। यद्यपि अब जब एलएमई द्वारा मूल्य महत्वपूर्ण रूप से घटे हैं फिर भी वित्तीय घाटे के कारण घरेलू उद्योग अधिक मूल्य रखने के लिए बाध्य थे।
- b) चूंकि देश में प्रमुख उत्पादकों की संख्या अधिक है और वर्तमान माँग, विद्यमान क्षमताओं से काफी कम है, अतः उचित बाजार प्रणालियों को बनाए रखने हेतु काफी हद तक आंतरिक प्रतिस्पर्धा बनी रहेगी। कोई ऐसा कारण नहीं है जिसके आधार पर यह मान लिया जाए कि मूल्य बिना पक्षपात किए बढ़ेंगे।
- c) घरेलू उद्योग द्वारा वर्तमान समय में काफी वित्तीय नुकसान सहना पड़ा। यह आरोप कि घरेलू उद्योग द्वारा वर्तमान में मुनाफा कमाया गया है सर्वथा अनुचित है। इसके अतिरिक्त नियमों के अन्तर्गत यह स्पष्ट है कि होने वाली क्षति को घरेलू उद्योग के सापेक्ष में ही देखा जाएगा। व्यक्तिगत कम्पनियों का कार्य निष्पादन अप्रासंगिक है।
- d) गौर करने योग्य विषय है कि उत्पादन में कुछ कमी, माँग में कमी के कारण हो सकता है। यद्यपि उस समय जब घरेलू उद्योग को उत्पादन में कमी का सामना करना पड़ रहा है तब वर्धित आयात घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को और प्रचण्ड कर रहे हैं।
- e) देश में मौजूद अने मुख्य उत्पादकों और उपलब्ध क्षमता से कम वर्तमान माँग के प्रदत्त, छोटी और मध्यम श्रेणी उद्योगों पर प्रस्तावित शुल्क से होने वाले प्रभाव को ध्यान में रखते हुए यह देखा जा सकता है कि उचित मार्केट प्रणालियों को बनाए रखने हेतु काफी हद तक आंतरिक प्रतिस्पर्धा बनी रहेगी।

- f) आवेदक कम्पनियों को निर्देशित किया गया कि वह मूल्य एकाउन्टैन्ट से पूर्व प्रमाणित मूल्य वक्तव्य प्रस्तुत करें। इसके अतिरिक्त, उचित प्रतिलाभ काफ़ी परिमित आधार पर रखा गया है जिससे कि रक्षोपाय शुल्क की प्रमात्रा अल्पतम हो। नाल्को, 'बाल्को', माल्को की मूल्य सूचना को अपनाया गया है। 10 प्रतिशत एड-वोलरम की दर से रक्षोपाय शुल्क लगाना प्रस्तावित है जो कि आयात एवं आयातकों के प्रतिस्पर्धा हाशिये के अनुकूल है साथ सार्वजनिक हित और मन्द पड़ते उद्योग का भी ख्याल रखा जा सके।
- g) आयात के कम शेयर की ओर हम ध्यान दे तो प्राप्त सूचना के आधार पर ज्ञात होता है कि आयात का शेयर जो कि जिन्दल एल्यूमीनियम द्वारा प्रदर्शित किया गया है उससे कहीं अधिक है। उपर दिए गए निष्कर्ष में आयात का प्रोत्कर्ष और वर्धित आयात को निर्बाध एवं तुलनात्मक रूप से चर्चा में लिया गया है।
- h) रक्षोपाय शुल्क को अनिवार्य रूप से लगाए जाने से गंभीर क्षति से बचा जा सकता है और सकारात्मक समायोजन को बढ़ावा मिलेगा। घरेलू उद्योग ने ऐसी योजनाएं बनाई हैं जिससे उत्पादन के मूल्य में कमी आ सके और प्रतिस्पर्धा का बढ़ावा मिल सके।

अन्य मुद्दे : अलग-अलग आर्थिक प्रचालकों और आम जनता के प्रतिस्पर्धी हितों की अनंतिम जांच की गई है। इस संबंध में रक्षोपाय कानून के प्रमुख उद्देश्य को ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है जिसके तहत घरेलू उद्योग को संवर्धित आयातों की स्थिति से निपटने के लिए सकारात्मक समायोजन करने हेतु पर्याप्त समय उपलब्ध कराना है। अल्यूमीनियम उद्योगों के कार्यनीतिक और राष्ट्रीय महत्व को लंबे समय से स्वीकार किया जा रहा है। स्वस्थ और प्रतिस्पर्धी अल्यूमीनियम उद्योग का होना सभी के हित में है। यह स्पष्ट है कि अनंतिम रक्षोपाय लागू न किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग की कीमत और बाजार हिस्से दोनों में आगे और कमी आएगी जिससे घरेलू उद्योगों को उस वित्तीय घाटे का सामना करना पड़ेगा जिससे घरेलू उद्योग अव्यवहार्य हो जाएगा तथा रोजगार का नुकसान होगा और घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धी रहने के लिए कार्यनीतिक एवं आर्थिक हित का नुकसान होगा। रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने से घरेलू उद्योग प्रतिस्पर्धी बना रहेगा और साथ-ही-साथ प्रयोक्ताओं/ग्राहकों के पास अत्यधिक प्रतिस्पर्धी कीमत पर अपनी सामग्री की जरूरत को पूरा करने का व्यापक विकल्प उपलब्ध होगा।

आपात परिस्थितियाँ : घरेलू बाजार के बढ़ते हुए हिस्से में क्षतिरहित कीमत पर हुए आयात, अप्रयुक्त उत्पादन क्षमता और वर्ष 2008-09 में क्षमता निष्क्रिय रहने, रोजगार, निवेश पर आय में गिरावट आने, पर्याप्त वित्तीय घाटे तक लाभ में गिरावट आने की वजह से कमी आई है जो प्रारंभिक जांच परिणामों के मुद्दे के लिए आपात परिस्थितियाँ हैं क्योंकि विलंब से हुई क्षति की भरपाई करना कठिन होगा। प्रारंभिक निर्धारण से यह पता चलता है कि ऐसी आपात परिस्थितियाँ मौजूद हैं जिनमें ऐसी क्षति होगी जिसकी भरपाई कठिन हो जाएगी। उम्र किए गए उल्लेख के अनुसार गंभीर क्षति का खतरा आसन्नवर्ती है। घरेलू उत्पादक पहले से ही गिरावट खासकर बाजार हिस्से के नुकसान, घटे हुए क्षमता उपयोग और रोजगार की हानि तथा निवेश पर घटती हुई आय एवं वित्तीय घाटे का सामना कर रहे हैं।

विकासशील देश

विकासशील देश : निम्नलिखित तालिका के अनुसार अन्य देशों से आयात हुए हैं जो अलग-अलग रूप में 3% से अधिक हैं ।

देश	मात्रा (मी. टन में)	हिस्सा (%)
बहरीन	18,001	4.01
सऊदी अरब	28,444	6.34
सिंगापुर	13,984	3.12
दक्षिण अफ्रीका	47,020	10.48
थाइलैंड	37,505	8.36
संयुक्त अरब अमीरात	85,775	19.11
कुल	230,728	51.41

निम्नलिखित समस्त विकासशील देशों से उत्पादों का निर्यात भारत को हुए निर्यातों के 9% से अधिक बनता है । तदनुसार, इन सभी विकासशील देशों से निम्नलिखित तालिका में किए गए उल्लेख के अनुसार विचाराधीन उत्पादों के आयातों पर भी रक्षोपाय शुल्क लागू होगा ।

देश	मात्रा (मी. टन में)	हिस्सा (%)
अंगोला	156	0.03
अल्जीरिया	226	0.05
ब्रह्मास	20	0.00
बांग्लादेश	65	0.01
बेनिन	729	0.16
कैमरून	422	0.09
केपे वी एस्टे	7	0.00
मध्य अफ्रीका	18	0.00
चिली	95	0.02
चीन	7,949	1.77
कोलंबिया	621	0.14
कांगो	79	0.02
आइवरी कोस्ट	58	0.01
क्यूबा	130	0.03
साइप्रस	765	0.17
कोरिया आरपी डीपी	58	0.01
जिबुती	85	0.02
डोमिनिक गणराज्य	20	0.00
इक्वडोर	15	0.00
मिस्र	674	0.15
अल सल्वाडोर	123	0.03
इरिट्रिया	15	0.00
गेबन	44	0.01
घाना	2,115	0.47
ग्वाटेमाला	421	0.09
गुयाना	25	0.01
हैती	90	0.02
होण्डुरस	451	0.10

इंडोनेशिया	1,907	0.42
ईरान	5,652	1.26
जमैका	115	0.03
जॉर्डन	3,029	0.67
केन्या	65	0.01
कुवैत	9,174	2.04
लेबनान	238	0.05
लाइबेरिया	28	0.01
मलेशिया	5,600	1.25
मालदीव	197	0.04
माली	17	0.00
माल्टा	49	0.01
मौरिटाना	110	0.02
मॉरिशस	117	0.03
मोस्को	2,670	0.59
मोजाम्बिक	25	0.01
नेपाल	7	0.00
नाइजीरिया	7,436	1.66
ओमान	10,892	2.43
पाकिस्तान आईआर	284	0.06
पनामा गणराज्य	21	0.00
पापुआ न्यूगिनी	23	0.01
फिलिपींस	222	0.05
कतर	1,852	0.41
रोमानिया	245	0.05
सेनेगल	344	0.08
सेसेल्स	20	0.00
सिएरा लियोन	50	0.01
श्रीलंका डीएसआर	142	0.03
सूडान	1,621	0.36
टोगो	109	0.02
ट्यूनिशिया	365	0.08
तंजानिया आरपी	131	0.03
यमन गणराज्य	237	0.05
मेक्सिको	2,829	0.63
कुल	71,296	15.89

उमर विनिर्दिष्ट न किए गए और 14.12.1998 की अधिसूचना सं. 103/98 (यथासंशोधित) द्वारा अधिसूचित अन्य सभी देशों पर रक्षोपाय शुल्क लागू नहीं हो सकता ।

4. **निष्कर्ष एवं सिफारिश :** उपर्युक्त प्रारंभिक जांच परिणामों के आधार पर यह देखा जाता है कि अपरिष्कृत अल्यूमीनियम, अल्यूमीनियम अपशिष्ट एवं अल्यूमीनियम स्क्रेप के संवर्धित आयातों के कारण अल्यूमीनियम उत्पादों (अपरिष्कृत, अपशिष्ट एवं स्क्रेप) के घरेलू उद्योग/उत्पादकों को गंभीर क्षति हुई है और उसका खतरा उत्पन्न हो गया है । आपात

परिस्थितियाँ, जिनमें रक्षोपाय लागू किए जाने में किसी विलंब से ऐसी क्षति होगी जिसकी भरपाई करना कठिन होगा, विद्यमान हैं जिनके तहत गंभीर क्षति तथा गंभीर क्षति के खतरे का अंतिम निर्धारण होने तक 200 दिन की अवधि के लिए अनंतिम रक्षोपाय शुल्क तुरंत लागू करना जरूरी है। घरेलू उत्पादकों द्वारा अल्यूमीनियम उत्पादों के उत्पादन की औसत लागत (गोपनीय), लगाई गई पूंजी पर आय, आयात शुल्क के वर्तमान स्तर तथा अल्यूमीनियम उत्पाद की औसत आयात कीमत पर विचार करते हुए अध्याय शीर्ष 7601 एवं 7602 के अंतर्गत आने वाली समस्त वस्तु पर मूल्यानुसार (10%) की दर से ऐसी वस्तु के आयातों पर विशिष्ट रक्षोपाय शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है जिसे घरेलू उद्योग के हित को रक्षा हेतु न्यूनतम रूप से अपेक्षित माना जाता है।

5. आगे की प्रक्रिया :

अंतिम निर्धारण करने से पूर्व यथासमय सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की जाएगी जिसकी तारीख के बारे में अलग से सूचना दी जाएगी।

हितबद्ध पार्टियों को जांच की शुरुआत के बारे में सूचित कर दिया गया है और उन्हें निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से संगत सूचना उपलब्ध कराने की सलाह दी गई है जिस पर अंतिम जांच परिणाम हेतु विचार किया जाएगा।

[फा. सं. डी-2201/17/2009]

एस. एस. राणा, महानिदेशक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL, SAFEGUARDS CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE)

NOTIFICATION

New Delhi, the 28 May, 2009

Subject : Safeguard investigations concerning imports of Unwrought Aluminium, Aluminium Waste and Scraps in to India—Preliminary Findings.

G.S.R. 267(E).—Having regards to the Customs Tariff Act, 1975 and the Customs Tariff (Identification and assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997 :

1. Procedure

- (i) The Aluminium Association of India (hereinafter called as applicant) filed a petition on 2nd March, 2009 before the Director General in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended and Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997 notified *vide* Notification No. 35/97-NI-Customs, dated 29-7-1997 (hereinafter referred to as Rules), alleging increased imports of unwrought aluminium, aluminium waste and aluminium scrap in India are causing serious injury and threat of serious injury to the Domestic producers. The petition has been filed on behalf of the following Indian Producers of unwrought aluminium.

Bharat Aluminium Company Ltd.
2nd Floor, Core-6, Scope Complex
Lodh Road, New Delhi-110003
Referred to as BALCO

National Aluminium Company Ltd.,
NALCO Bhavan
P/1, Nayapalli, Bhubaneswar-751013

Referred to as NALCO

Madras Aluminium Company Ltd.
Mettur Dam R.S. 636402
Salem District, Tamil Nadu
Referred to as MALCO

Hindalco Industries Limited
Regd. Office : "Century Bhavan",
3rd Floor, Dr. Annie Besant Road,
Worli, Mumbai-400 030

Referred to as HINDALCO

While BALCO, MALCO and NALCO have provided all information relevant to the present investigations, HINDALCO has provided all information except information relating to cost of production and non-injurious price.

- (ii) Preliminary scrutiny of the application showed some deficiencies, which were rectified by the applicants. The applicants filed updated and duly documented application on 15th May, 2009.
- (iii) Information provided by the four companies namely BALCO, MALCO, HINDALCO, NALCO, were verified by a team of Officers/
- (iv) After due verification, it was seen that there is sufficient prima facie evidence regarding increased imports, serious injury or threat of serious injury and a causal link between increased imports and alleged injury or threat of serious injury to justify initiation of investigations. Therefore, it was decided to initiate investigations whether imports of the product under consideration have increased under such circumstances as to cause or threaten to cause serious injury to the domestic industry to justify imposition of safeguard duty.
- (v) Notice of initiation of safeguard investigation relating to imports of unwrought aluminium, aluminium waste and aluminium scraps into India was issued on 22nd May, 2009 and was published in Extraordinary Gazette of India on the same day.
- (vi) A copy of initiation notification has been sent to Governments of exporting countries through their embassies in New Delhi
- (vii) A copy of the Notice was also sent to all known interested parties given below:

Domestic Producers (Aluminium, aluminium waste and aluminium scraps)

Bharat Aluminium Company Ltd. 2nd Floor, Core-6 , Scope Complex Lodi Road, New Delhi- 110003 Referred to as BALCO	Madras Aluminium Company Ltd. Mettur Dam R.S. 636402 Salem District, Tamil Nadu Referred to as MALCO
Nalco India Ltd. NALCO Bhavan, P/1, Nayapalli, Bhubaneswar-751013 Referred to as NALCO	Hindalco Industries Limited Regd. Office: "Century Bhavan", 3rd Floor, Dr. Annie Besant Road, Worli, Mumbai-400 030 Referred to as HINDALCO

List of companies producing aluminium wire rods from unwrought aluminium or waste & scrap of aluminium

Master India/Pushpanjali Plot No 4, Gail No 2 Friends Colony Industrial Area, Shahdra, Delhi	J&K Aluminium SCO 87, 2 nd Floor, Sec-5 MDC, Panchkula Haryana-134114
APS Enterprise Khasra No 43, Plot No 2-4 Saboli, Industrial Area Delhi	Noida Aluminum 5693/23 1 st Floor Basti Harphool Singh, Sadar Bazaar, Delhi
Vaibhav Strips 4/42 Sector-80 Industrial Area, Ph-II Noida, UP	Avon alloys B-8, Jhilmil Industrial Area Shadara, Delhi
Tirupati Aluminum 55, Industrial Area, Sector 1, Parwanoo HP.	Vijay Electrical Plot No 3 to 9 Raipur Sahkari, Audhyoglk Shetra, Bhagwanpur Roorkiee.
Teracom B-64, Sector-60, Noida	Gupta Power Infrastructure Cuttack Road, Bhubaneshwar Orissa-751006
Prem Cables Pipalin Kalan, Distt. Pali, Rajasthan	Mohan Aluminium 9 th Mile Stone, Old Madras Road, Bangalore.
Deepak Cables 7, NS Lyengar Street Shesh- Adripuram, Banglore.	Anam Electricals 1-101-Venkayamma Peta Road Kadiyam, Near Rajmundary East Godavari District, AP-533126
Lumino Industries 307, Swaika Centre 4A, Pollock Street, Kolkata	Shreyas Cable 14 A Light Ind Area, Bhillai.
Sterlite Industries(Haridwar) S.No.99/2/P Madhuban Dam Road, Rakholi, Sivassa.	Apar Industries (Nalgarh &) Apar House, Corporate Park Sion-Trombay Road Chembur, Mumbai
Dimanod Cable Phasell VIII Vadadala Baroda	Prem Conductor Survey No 1078/2/2 Silvassa
Polycab Conductor HICO House, st Floor, 771, Pandit	Satwalekar Marg, Mahim west Mumbai-400016

Hind Aluminum B/1, Tulsi Vihar, Worli Naka DR AB Road, Mumbai	Hiren Aluminium 106-C, R.K.Wadi 114, VPRoad, Mumbai
Palco Opp Khanwadi, Ramol Road Ahmedabad.	Galada Power Survey No 319, Vill Khadoli, Silvassa
UCL P.O. Birla Vikas Satna-4850005.(MP)	Laser Cables Pvt Ltd Swaika Centre, Room No 403, 4A, Pollock Street, Kolkata-01
Shreyash Al & Alloy Pvt Ltd. Swaika Centre, Room No 21, Ground Floor,A, Pollock Street, Kolkata-01	

Users and Importers

M/s Master India Plot No 4, Gali No 2, Friends Colony Industrial Area, Shahdara, delhi-95	M/s J&K Aluminium SCO 87, 2 nd floor, Sec 5, MDC, Panchkula, Haryana 134114
M/s Manaksia Ltd. 8/1, Lal Bazar Street, Kolkata – 700001	M/s Hiren Aluminium 106 - C, R.K. Wadi, 114, V.P. Road, Mumbai 400 004
M/s Gupta Power Infrastructure Ltd. Cuttack Road , Bhubaneshwar -- 751006 (Orissa)	Continental Engines Ltd SP-312, Riico Ind. Area-Phase-I, Bhiwadi, Rajasthan
Valco Industries Ltd184, Industrial Estate-I, Chandigarh	Masters India Pvt Ltd S-201, Chetan Complex, Sreshta Vihar Market, DELHI
Century Metal Recycling Pvt Ltd Vill. Tatarpur, Dist.Palwal Haryana	Associated Aluminium B/1, Tulsi ViharWorli Naka Dr A B Road, Mumbai-400018
Bhoruka Aluminium Ltd No.1, KRS Road, MYSORE	Prem Cables Limited Pipalia kalan , Distt. Pali, Pin – 306307

M/s Apar Industries Ltd. Apar House, Corporate Park, Sion-Trombay Road, Chembur, Mumbai - 400 071	M/s Diamond Cables Ltd House, 5/12, BIDC, Gorwa, Vadodara-16
M/s Ravin Cables Pvt. Ltd. 302, Akruti Trade Centre, 3rd floor, Roda No. 7, MIDC, Marol, Andheri (East), Mumbai -400093	Jindal Aluminium Jindal Nagar, Tumkur Road, Bangalore - 560 073
Gloster Cables 5-3-372, RP Road, Secundrabad - 3	Sterlite Industries Limited S.No.99/2/P.Dadra & Nagar Haveli Madhuban Dam Road Rakholi, Silvassa
Metal Powder Co Ltd Maravankulam, Thirumangalam Madurai dist., Tamil Nadu	North Eastern Cables & Conductors 416, Citiplaza, Space Cinema Complex, Bani Park, Jaipur - 302016
Haryana Conductors 17th M.S., G.T.Road, Pao Maniyar, Kundli, Haryana	Venkateshwara Wires Pvt Ltd 302, Navjeevan Chambers , Vinobamarg, Sea Scheme , Jaipur - Rajsathan , Pin - 302001
Smita Conductors 1402/03, Raheja Centre , Nariman Point, Mumbai - 400 021	M/s Polycab Wire Pvt. Ltd. HICO House, 1st Floor, 771, Pandit Satwalekar Marg, Mahim (West), Mumbai -400016
The Metal Powder Company Limited (Mepco) H.O.Thirumangalam, Thirumagalam, Madauri-625706	Anam Electrical Manufacturing Company, 1-101-Venkayamma Peta Road, Kadiyam, Near Rajmundary, East Godawary District, (Andhra Pradesh) - PIN - 533126
M/s APS enterprises Khasra no 43, Plot no 2-4, Saboli Industrial area, Mandoli, Delhi	M/s Noida Aluminium 5696/23, 1st Floor Basti Harphool Singh Sardar Bazar, Delhi 6
M/s Hind Aluminium B-1, Tulsi Vihar,	M/s Deepak Cables 7, NS Iyengar Street,

Dr, A.B. Road, Worli Naka, Mumbai - 400 018.	Sheshadripuram, Bangalore - 20
KEI Industries Limited Q - 90 Okhla Industrial Area Phase-I New Delhi	Havells India Pvt Ltd QRG Towers 2-D, Sector 126, Expressway, NOIDA
Alom Extrusions Ltd ALOM HOUSE 7B Dr. Harendra Coomar Mukherjee Sarani (Formerly Pretoria Street), KOLKATA-700001	Lumino Industries 307, SWAIKA CENTRE 4A, POLLOCK STREET KOLKATA-700001
Smita Conductors 1402-03, Raheja Centre Nariman Point Mumbai-400021	Hind Aluminium Industries Ltd B/1, Tulsi Vihar Worli Naka Dr A B Road, Mumbai-400018
Paramount Communications Ltd Paramount House, C-125, Naraina Industrial Area, Phase-1, New Delhi	Venkateshwara Wires Pvt Ltd 302, Navjeevan Chambers, Vinobamarg, Sea Scheme, Jaipur - Rajsathan, 302001
M/s Universal Cables Ltd P.O. Birla Vikas, Satna - 485 005 (M.P.)	M/s Polycab Wire Pvt. Ltd. HICO House, 1st Floor, 771, Pandit Satwalekar Marg, Mahim (West), Mumbai - 400016
Deepak Cables 7, NS Iyengar Street, Sheshadripuram, Bangalore - 20	Vijay Electricals Rudraram, Patancheru, Medak Dist, Hyderabad
Anvil Cables Pvt Ltd Anvil Cables Pvt Ltd krishna Building R. No 102 224 A.J.C Bose Road kolkata-17	Apar Industries Apar House Corporate Park Sion-Trombay Road, Chembur, Mumbai
Hindusthan Vidyut Products Ltd 12/1, Milestone, Mathura Road, Faridabad -121003, (Haryana)	Rajasthan Cables & Conductors A190C, Road No. 1D, VKI Area, Jaipur- 302013

Anamica Conductors Pvt Ltd B-129, Rajender Park, Bapu Nagar, Jaipur- 302015	KJVF5, Premium Plaza Complex, 1st floor, Dharam Peth, Nagpur – 10
J M INDUSTRIESL 195, MID C, Ahmednagar - 414 111/Lodha Chamber, 2988 Ganj Bazar, Ahmednagar-414001	HIREN ALUMINIUM 106 - C, R.K. Wadi, 114, V.P. Road, Mumbai 400 004.
Manaksia Ltd.8/1, Lal Bazar Street, Kolkata – 700001	Alom Extrusions Ltd Alom Extrusions Ltd, 7B pretoria street, kolkata - 700071

Exporters

M/s Euroasian Ventures Fze. P.O.Box 17707 Jebel Alifree Zone Dubai, U.A.E.	M/s Alva Aluminium Ltd 8/17-18 Cathay House 4th Floor Sathorn Nua Road Bangkok, Thailand
M/s Dubai Aluminium Co Ltd PO Box 3627 Dubai, UAE	M/S. O&S Metallimport GMBH Heddermheimer Strate 9, D65462, GUS. Germany
M/s United Aluminium Indusry Co Ltd 107, MOO 3, raboupai- Koakkwang Road, Thailand	M/S. Nanjing Welbow Metals Co., Ltd Honglan, Lishui, Nanjing, China
M/s Shenzhen Aida Aluminium Alloys Co Ltd Haijing GE A1001 Haojing garden China	ALBAAluminium Bahrain B.S.C (c), 'P.O. Box – 570, '150, King Hamad Highway, Askar 1951,'Kingdom of Bahrain
AOSTARSICHUANAOSTAR ALUMINIUM CO. LTD.	Almahdi Aluminium Corporation, 18 Km Shaheed Radjaie Quay Road,

QIMING APARTMENT BUILDING , 4TH FLOOR NO.1 JUNLONG S	Bandar Abbas, Iran
M/S. Lucky Alloys Limited P.O. BOX NO.16850 Jabel Ali Fr one Dubai,U.A.E	M/s. Unigems Impex Ltd 1249/66 Gems Tower 8th Floor Charoen Krung Road Bangkok, Thailand
M/s. Aican Primary Metal Australia Pty.Ltd. Suite 601, Level 6, 50 MA Regrat Street, Sydney, Australia.	M/s Phoenix Steel Mills Ltd Ikorodu-Sagamu Road 4 KM from Ikorodu Roundabout Ogun State, Nigeria.
M/s Bahrain Alloys manufacturing Co B.S.L P.O.BOX 5349, Manama Kingdom Of Bahrain	M/s Shanghai Zhengyu Special Alloys Co Ltd. ROOM 1803, No. 1555, Kongjiang Road, China
BHP BILLITON BHP Billiton Limited, BHP Billiton Centre, 180 Lonsdale Street, Melbourne Victoria 3000, BHP Billiton Plc, Neathouse Place, Victoria, London SW1V 1BH	ALCOA Alcoa Corporate Center, 201 Isabella Street, Pittsburgh, PA, 15212-5858, USA
UNIVERSAL CORPORATION 169-1, Samseong-dong., Gangnam-Gu, Seoul, Korea (South), ZIP: 135-090	MINL Limited (Manaksia), Isolo, Lagos, Nigeria , Ota, Nigeria
IRALCO No. 8 4th St., Naft Shomali, Mirdamad Ave., Tehran, 19189, Iran	

Questionnaires were also sent, to all known domestic producers, Exporters and importers and they were asked to submit their response within 30 days.

Non confidential part of the application and replies are kept in the Public File, which was accessible to an interested party.

The information being called from the foreign producers, Indian importers/ consumers, Indian Producers and other interested parties shall be considered for final determination.

2. View of the Domestic Industry

The application has been filed by M/s. Aluminium Association of India, 118, 1st Floor, Ramanashree Arcade, 18, M.G. Road, Bangalore-560 001. They have made following major points:-

- (a) Imports of the products under consideration have surged in absolute and relative terms in recent past;
- (b) Imports have increased in relation to Indian production;
- (c) Imports have increased in relation to consumption in India;
- (d) While market share of imports has increased, that of the domestic industry has declined;
- (e) Given significant price difference between the imports and the domestic products, there is strong likelihood of further importation and threat of serious injury.
- (f) Growth in domestic demand is being unreasonably captured by imports;
- (g) Even when the Indian Producers have lowered the prices because of decline in LME prices, the imports have increased because of lower prices offered by the Foreign Producers.
- (h) Domestic Industry is facing significant idling of production capacities in product under consideration as a result of increased imports. In fact, MALCO is not in operation since almost five months. Capacity utilization of the domestic industry has declined. Industry is faced with significant unutilized capacities
- (i) There is a decline in production and consequently decline in capacity utilization in current year due to significant increase in the imports. Moreover, whereas the market share of imports increased, that of domestic industry declined in a situation where the domestic industry was having unutilized capacities. The domestic industry is now resorting to production cuts and the increased imports are leading to serious injury in product under consideration
- (j) Increased imports are causing less utilization of the installed capacity resulting in loss of employment.
- (k) Decline in ROI was so significant that during the quarter ending March, 2009 the domestic industry's ROI was negative.

Views of exporters, importers, consumers and other interested parties

Some of the end users have given their views as follows:

A. Nu-Line Industries Pvt. Ltd.

1. NALCO, BALCO, HINDALCO, the these companies pricing system was as per London Metal Exchange for Aluminium. Their prices were lower than landed price of import. Since last few months, the companies are arbitrarily making cartel system and increasing prices. The current prices are higher than landed price of import of Aluminium ingots.
2. In the liberal economy the buyer has option to buy from these suppliers or import the material whichever is cheaper. The other importing industry will be killed if safeguard duty is imposed.
3. The domestic industry is earning huge profits since their costing is only at the level of 1250 – 1400 USD/mt. Due to recession the LME has fallen. Protection is not necessary.
4. Capacity utilization – The reduction in production is not due to imports. The losses are not due to high increase in production cost, but due to reduction of LME in the international market. This is a global phenomena.
5. There is big fall in demand in the automobile industry using aluminium and building construction.
6. Hindalco losses partly due to heavy investments in foreign companies made by them. Losses are partly due to recession.
7. Parties are importing aluminium duty free and exporting finished product against advance licence. If safeguard duty is levied, the exporters will not be able to meet the costing of international market, as their raw material prices would increase substantially. This would affect the foreign exchange earnings of the country. Costing of export sales cannot be reached on the basis of buying raw material from domestic market. It is possible only on the basis of imported raw material.
8. The directorate is not considering consuming industry's concern.

Cable and conduction mfrs. Association of India

1. Any imposition of duty over and above the existing 5% will negatively affect the small and medium scale industries.
2. Costing figures of applicants needs close scrutiny.

3. A survival strategy of ailing Small and Medium Scale industries should be taken by making available raw materials on competitive prices.
4. Public interest should be kept in mind while imposing safeguard duty. Imposition of safeguard duty would lead to employment loss in small industries and closure of small industries.
5. Safeguard duty is meant for domestically emergency situation, not for global emergency situations. When it is a global problem, safeguard duty is not required.
6. Cost structure of Hindalco and Nalco only considered for assessing injury calculations. Vedanta have higher cost due to lower capacity utilization.
7. Reduction in profitability is due to expansion, over-expansion and internal restructuring.
8. The domestic industry is having more than 100% return on investments.
9. The cost of raw material coal and alumina have fallen.
10. Demand in India is increasing. Indian producers started significant exports to China.
11. Indian producers produce LME grade Aluminium (99.7% minimum purity) or non LME (98-99.6% purity). Aluminium was exported by primary producers to generate hefty profits. Secondary manufacturers are driven to import to continue production.
12. Import is at 7.5% level when compared to domestic production which is insignificant. Indian producers exported even higher than 80,000 mt.
13. Most of the imported metal is against export entitlements and are for other than LME grades which commands lower price in international market.
14. Cable & Conduction Mfrs. Association of India members consume approx 40-45% of aluminium produced in India. Indian producers of Aluminium do not have a tendency in making high profit.

Jindal Aluminium

1. Producers of Aluminium Extrusion in India - about 47000 mt.p.a. used in Automobile, textile, air conditioning, construction etc.

2. NALCO, HINDALCO, BALCO are exploiting the secondary manufacturers and consumers to earn huge profits.
3. London Metal Exchange decides the price of Aluminium. Even if the international price is at US\$ 1400 pmt, the manufacturing cost is less than US\$ 1200 and selling at US\$ 1600, hence no injury.
4. The domestic producers are exporting huge quantity at the low LME and still earning profit.
5. The total import is less than 7.5% of the total production which is so insignificant.
6. No injury to the domestic industry. Primary producers' aim is to earn huge profits on the expense of secondary manufacturers, though even at the recession period they have no loss.
7. They can reduce the cost of production or improve competitiveness.
8. Safeguard duty is not in the public interest.

Findings of the Director General:

- (A) The issue of imposition of immediate safeguard measures was examined. It has been found that a total of 168 safeguard initiations were reported to the WTO between 29.03.1995 to 12.11.2008. It has been observed that provisional safeguard measures have invariably been recommended/imposed most expeditiously. In fact, in several cases provisional safeguard measures have been recommended on the same date as the date of initiation of the investigation. The Rule 9 of Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997 notified vide Notification no. 35/97-NT-Customs dated 29.07.1997 prescribes that the Director General shall proceed expeditiously with the conduct of the investigation and in critical circumstances, he may record a preliminary finding regarding serious injury or threat of serious injury. The principles governing investigations have been provided under rule 6 of the Safeguard Rules, which is independent to Rule 9. Rule 15 of the Safeguard Rules provides for refund of differential safeguard duty in case of safeguard duty imposed after conclusion of the investigation is lower than the provisional duty already imposed or collected. This implies that if the DG eventually recommends not to impose safeguard duty, the entire interim safeguard duty recommended and collected shall be refunded. The harmonious reading of Rule 6, 9, and 15, of the said Rules leads to a conclusion that the Rules provide for expeditious recommendation of provisional safeguard duty based on preliminary finding and refund of

differential duty in case it is ascertained that the duty imposed after conclusion of the investigation following investigation process and natural justice as enshrined in the Rule 6 is lower than provisional safeguard duty. However, in critical circumstances any delay in imposition of provisional safeguard duty may cause damage which would be difficult to repair. Accordingly, it was considered prudent to analyze circumstances to assess whether the same falls in the category of critical circumstances calling for immediate imposition of safeguard duty.

- (B) **The product under investigation:** The product under consideration in the present investigations is **unwrought aluminium, aluminium waste and aluminium scrap**. The applicant has explained that the description of the products under consideration is as follows

Aluminium Ingots :

Ingots are cast from molten aluminium metal with or without adding alloying elements.

- (i) Pigs / SOW Ingots are made from remelting typically in sizes of 22 Kgs (Pig) and approx. 500 Kgs (SOW).
- (ii) Round Ingots (Billets) are used for production of extruded products. Its shape is cylindrical and casting is done in solid and hollow shapes.
- (iii) Alloy Ingots are used for remelting and making Alloy Castings for various Applications like Automobiles and Machinery.

Aluminium Wire Rods:

The product is drawn from molten aluminium in a properzi mill with most common diameter of 9.5 mm (other diameters are 7.6 mm and 12.5 mm). This product is mostly used for production of electrical Cables and Conductors. It is produced in 3 categories:

- Electrical Conductivity (EC) Wire Rod
- Commercial Grade (CG) Wire Rod
- Alloy Wire Rod

Aluminium Cast Slabs / Strips :

This product is cast from molten Aluminium metal with or without adding alloying elements. They are used for production of Rolled products in addition to direct usage of electrical transmission in the shape of bus bar.

The applicants have further explained the applications and end use of various types of the product under consideration are as follows

Product	End uses
Non Alloy Ingots	Base metal for any type of aluminium product like - Extrusions, Cables, Conductors, Secondary Wire Rod, Metal Powder, Chemicals, Alloys Ingots for Automobile Industries and miscellaneous castings, Utensils and so on.
Alloy Ingots	Aluminum die casting industries for auto components, miscellaneous castings.
Non alloy Wire Rods	Drawn to wire for manufacture of Cables and non alloy Conductors.
Alloy Wire Rods	Drawn to wire for manufacture of Alloy Conductors
Non Alloy Billets	Extrusions.
Alloy Billets	Extrusions.
Non Alloy wire bars	Decoration, Construction, Rivets etc.
Alloy wire bars	Decoration, Construction, Rivets etc.

The product is classified as follows.

Name of the Product	Classification
Unwrought Aluminium	7601
Aluminium Not alloyed	760110
Ingots	76011010
Billets	76011020
Wire Bars	76011030
Wire rods	76011040
Others	76011090
Aluminium alloys	760120
Ingots	76012010
Billets	76012020
Wire Bars	76012030
Wire rods	76012040
Others	76012090
Aluminium Waste and Scrap	7602

The applicants have explained that the goods produced by the domestic industry are comparable in respect of all essential characteristics to the goods imported from various countries. There is no known difference the subject goods produced by the Indian industry and goods being imported. Subject goods produced by the Indian industry and imported goods are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. Subject

product produced by the domestic industry is being treated as like or directly competitive to the product under consideration.

The petitioner has explained that the consumers of waste & scrap of aluminium can be divided into alloy ingots, extrusion, utensils, and other misc. applications. Information made available by the applicants shows that waste & scrap of aluminium is consumed in the production of these products by first melting such waste & scrap of aluminium. Similarly, unwrought aluminium is consumed in the production of these products by first melting such unwrought aluminium. Once waste & scrap of aluminium or unwrought aluminium is melted, the only concerns that the consumers have is the presence of desired technical properties in the molten aluminium and level of impurities. The production process can be so regulated by the consumers that they can achieve the desired technical specifications in the molten aluminium. Such molten aluminium is then processed further to obtain the products listed above. Thus, waste & scrap of aluminium and unwrought aluminium can be interchangeably consumed, depending on which ever is cheaper

Thus, in view of the above and having regard to the information available on record and the legal requirements under the Rules, it is considered that waste & scrap of aluminium and unwrought aluminium are directly competitive products. It is thus provisionally concluded that the unwrought aluminium produced and supplied by the domestic industry is directly competitive to the imported waste & scrap of aluminium.

Domestic Industry: The application has been filed by M/s. Aluminium Association of India, 118, 1st Floor, Ramanashree Arcade, 18, M.G. Road, Bangalore-560 001. M/s Hindalco Industries Limited (HINDALCO), "Century Bhavan", 3rd Floor, Dr. Annie Besant Road, Worli Mumbai; M/s Nalco India Ltd (NALCO), Nalco Bhavan, P/1, Nayapalli, Bhubaneshwar 751013; Bharat Aluminium Company. Ltd. (BALCO) 2nd Floor, Core-6, Scope Complex Lodi Road, New Delhi- 110003; and Madras Aluminium Company Ltd. (MALCO) Mettur Dam R.S. 636402 Salem District, Tamil Nadu are inter-alia the members of the association. While NALCO, BALCO and MALCO have provided all relevant information for the purpose of the present investigations, HINDALCO has provided all information, except costing, profitability and non injurious price related information.

Share of NALCO, BALCO and MALCO in Indian production have been as follows

Standing	Indian production	NALCO, MALCO, BALCO	Share of
			NALCO, MALCO, BALCO
	MT	MT	%

2005-06	773,907	505,585	65.33
2006-07	920,666	642,768	69.82
2007-08	1,001,179	689,590	68.88
April-08 Sept-08	517,314	342,333	66.18
October-08	91,786	57,165	62.28
November-08	88,646	55,100	62.16
December-08	93,422	55,844	59.78
January-09	88,720	56,189	63.33
February-09	82,573	53,127	64.34
March-09	93,826	58,393	62.24

None of these companies supply waste & scrap of aluminium in the market. Further, there are some companies in India who are buying waste & scrap of aluminium from foreign sources and producing & selling commercial grade aluminium wire rods in the market. Wire rod is a product within the scope of the product under consideration and being produced & sold by the companies listed above. Such companies however have not been considered "producers" of the product under consideration for the reason that they are not undertaking basic production activities and are merely processing imported waste & scrap of aluminium.

Based on information on record, it is preliminarily determined that the production of the three companies (NALCO, BALCO & MALCO) constitutes a major proportion in Indian production. The three companies constitute domestic industry within the meaning of the Rules. It is also noted that M/s Hindalco has supported the application.

Unforeseen Developments: Current global recession, more pronounced in the developed countries, has led to decline in the demand for the product under consideration. Resultantly, producers are faced with significant unutilized capacities. Aluminium prices reached all time high of \$3291/MT during July 08 despite weak demand and high stocks before declining to average \$1330/MT in Feb '09 as demand decreased due to economic turmoil.

Month	LME Month Average US\$/MT
April-08	2,959
May-08	2,903
June-08	2,958
July-08	3,291
August-08	2,764
September-08	2,526
October-08	2,121
November-08	1,852
December-08	1,490

January-09	1,413
February-09	1,330
March-09	1,336

Metal is consistently piling up in warehouses across the globe. LME stocks have risen from 1.032mn MT in Q1'08 to 3.5mn MT in Q4 '08, i.e., an increase of 350% in stock level.

Month	LME Global Stock in MT
Dec-05	636,814
Dec-06	681,636
Dec-07	930,572
Apr-08	1,031,392
May-08	1,051,946
Jun-08	1,078,356
Jul-08	1,107,333
Aug-08	1,140,949
Sep-08	1,270,985
Oct-08	1,456,917
Nov-08	1,650,023
Dec-08	2,043,337
Jan-09	2,810,825
Feb-09	3,226,700
Mar-09	3,477,300

Low prices, high stocks along with weak demand have forced smelters to cut down their products. The current total of announced cuts is estimated at 7.2 mn MTPA. (Source – Brooknunt April 09)

Company	Cutback
ALCOA (WORLD WIDE)	850000
RIO TINTO- ALCAN WORLD WIDE	490000
UC- RUSAL WORLD WIDE	500000
VIMETCO WORLD WIDE	435000
NORSK HYDRO WORLD WIDE	500000
NORRANDA NORTH AMERICA	186200
CENTURY ALUMINIUM –USA	170000
TRMET –ESSEN, GERMANY	90000
KAISER ALUMINIUM –GERMANY	74000
COLUMBIA FALLS –USA	66000
KAP- MONTENEGRO	60000

VALE BRAZIL	57000
IMPEXMETAL POLAND	55000
TALCO TAZIKISTAN	42150
MALCO INDIA	40000
BALCO INDIA	25000
ALIMINIJ MOSTAR – BOSNIA	33750
CHINA (CHALCO & OTHERS)	3550000
TOTAL	7224100

The rapid deceleration of the global economy has severely affected key industries especially in the western economy. The prospects for aluminium's key end-use automobile sector remain extremely poor, with US new car sales down by more than 36%. Despite its voracious appetite, China will not make up for the sharp contraction in demand in the West. The fact that 0.7mn MT of idled Chinese capacity is due back online puts further downside risk on the price.

The increase in imports is due to surplus capacities with major countries. The Indian market is not only quite large but also very stable, sustained and is offering significant market opportunities to the global suppliers.

Imports under Chapter 7602 attract nil duty as against 5% basic customs duty on imports covered under Chapter 7601. This has led to more than disproportionate increase in the demand for imported waste & scrap of aluminium.

It is thus observed that aforesaid are unforeseen circumstances leading to significant increases in imports.

Increased Imports:

(a) Increased imports in absolute terms

In order to determine whether imports of the product under consideration have increased within the meaning of the Rules, imports of the product from 2005-06 were examined in detail. Information published by the DGCI&S has been considered for the period upto October, 2008. Since information for the subsequent period has not been released by the DGCI&S, information provided by the Secondary Sources [International Business Information Services] has been adopted for the subsequent period. Imports of both unwrought aluminium and waste & scrap of aluminium have been considered cumulatively. The imports of the product under consideration were as follows

	Imports volume in MT	Imports per month in MT	Increase/decrease %
2006-07	357,378	29,781	
2007-08	395,957	32,996	
April-Sept-07	211,778	35,296	19%
Oct-Dec-07	88,104	29,368	-17%
Jan- March-08	96,074	32,025	9%
April-Sept-08	231,793	38,632	21%
Oct-Dec-08	85,170	28,390	-27%
Jan- March-09	131,858	43,953	55%

It is seen that imports of the product have surged in the most recent period. The average volume of imports, which were in the range of 38600 MT till Sept., 08, dropped to 28,400 MT in Oct.-Dec., 08 and thereafter surged to 44,000 MT in Jan.-Mar., 2009. It is preliminarily concluded that the imports of the product have shown sudden & significant increase, as required under

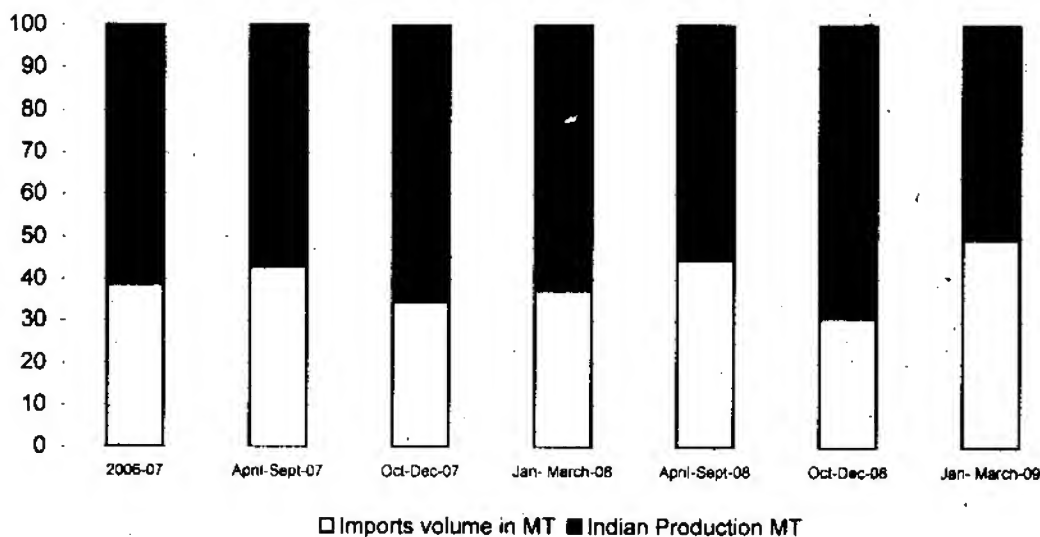
Argentina –Foot ware (Ec/Ds121/AB/R) the WTO Appellate body held the increase imports must have been in the recent period to cause or threaten to cause "serious injury" (para 130 & 131 of the decision). In this case even historically on year wise there is increase in imports from 357378 MT in 2006-07 to 395957 MT in 2007-08 and further to 448821 Mt in the current year of 2008-09.

(b) Increased imports in relation to Indian production

In order to determine whether imports of the product have increased in relation to Indian production, volume of imports were compared examined in relation to Indian production. The table below shows the factual information

	Imports volume in MT	Indian Production MT	Imports in relation to Indian production
2006-07	357,378	920,666	38.82
2007-08	395,957	1,001,179	39.55
April-Sept-07	211,778	490,066	43.21
Oct-Dec-07	88,104	254,216	34.66
Jan- March-08	96,074	256,898	37.40
April-Sept-08	231,793	517,314	44.81

Oct-Dec-08	85,170	273,854	31.10
Jan- March-09	131,858	265,119	49.74



(c) Imports in relation to demand/consumption in India

It was then examined whether imports of the product have increased in relation to consumption/demand in India. For the purpose, demand was assessed as the sum of imports of product under consideration and sales of the Indian Producers. The table below shows the factual information

	Imports volume in MT	Demand/ Consumption MT	Imports in relation to consumption in India %
2006-07	357,378	1,024,259	34.89
2007-08	395,957	1,191,096	33.24
April-Sept-07	211,778	600,990	35.24
Oct-Dec-07	88,104	290,004	30.38
Jan- March-08	96,074	300,103	32.01
April-Sept-08	231,793	631,837	36.69
Oct-Dec-08	85,170	258,958	32.89
Jan- March-09	131,858	361,206	36.50

It is thus seen that

- (a) Imports have increased in absolute terms
- (b) Imports have increased in relation to Indian production
- (c) Imports have increased in relation to consumption in India

It is thus concluded that the imports of unwrought aluminium and waste & scrap of aluminium increased in India within the meaning of the Rules.

Serious Injury and Threat of Serious Injury

It was examined whether increased imports of the said goods are causing serious injury to the domestic industry. It was also examined whether the increased imports of the said goods are threatening serious injury to the domestic industry. The imports of the said goods have shown sudden and significant surge in absolute terms and in relation to production and consumption in India. It is noted that imports volume increased significantly, and at rapidly declining import prices.

The Rules provide as under with regard to serious injury to the domestic industry

The Director General shall determine serious injury or threat of serious injury to the domestic industry taking into account, inter alia, the principles laid down in Annex to these rules

Annexure to the Rules provides as follows

In the investigation to determine whether increased imports have caused or are threatening to cause serious injury to a domestic industry, the Director General shall evaluate all relevant factors of an objective and quantifiable nature having a bearing on the situation of that industry, in particular, the rate and amount of the increase in imports of the article concerned in absolute and relative terms, the share of the domestic market taken by increased imports, changes in the level of sales, production, productivity, capacity utilization, profits and losses, and employment.

As held by the WTO in one of the cases before them, it is not necessary that each and every parameter listed under the Rules should show injury. Even if one or more parameter show significant deterioration in performance, it may be sufficient enough to hold that the domestic industry has suffered serious injury. However, all parameters relating to injury to the domestic industry prescribed under the Rules have been examined.

As stated hereinabove, the imports of the product under consideration have shown sudden and significant surge. The rate and amount of increase in imports

is significant in absolute and relative terms. With regard to impact of the increased imports causing injury to the domestic industry have been analyzed below.

Assessment of demand

Demand or apparent consumption of the product in the Country has been determined as the sum of domestic sales of the domestic producers and imports from all sources. The demand so assessed can be seen in table below.

Year/ Period	Demand (MT)	Average demand per month(MT)
2005-06	957,155	79,763
2006-07	1,024,259	85,355
2007-08	1,191,096	99,258
April-08 Sept-08	631,837	105,306
Oct.-Dec., 08	258,958	86,319
Jan.-March, 09	361,206	120,402

It is seen that demand of the product in the Country was increasing till Sept, 2008, but declined thereafter significantly in Oct.-Dec., 2008 and thereafter increased. Demand in the period Jan-March, 2009 was in fact higher than that of April-Sept-08. It can be seen that in spite of global recession the demand for the product in India has not reduced. By contrast, demand in a large number of countries has declined significantly.

Price effect – In order to determine whether imports of the product under consideration are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the landed price of imports have been compared with the selling price of the domestic industry. It is noted that imports at significantly different prices have been reported in the same month. The domestic industry claimed that so significant was the decline in the prices in a relatively short period that in several cases, the product was booked at lower prices. However, by the time the material arrived in India, the prices had already fallen further.

Year/ Period	7601	7602	Average of 7601 & 7602	Domestic Industry
2006-07	122,800	85,975	97,497	124,654
2007-08	109,380	81,738	93,593	111,531
April-Sept-08	123,178	81,256	97,017	126,792
Oct-08	133,358	101,312	115,020	105,388
Nov-08	128,184	93,702	109,846	101,270
Dec-08	126,012	78,154	98,259	92,400
Jan-09	107,460	69,498	87,116	84,979

Feb-09	85,174	60,065	73,763	80,798
March-09	74,223	56,590	67,140	76,546

The domestic industry claimed that the prices of the product in the international market are governed by London Metal Exchange (LME) and most of the trade takes place at LME. The domestic industry claimed that there was too significant and too frequent decline in the prices of LME.

Month	LME Month Average US\$/MT
April-08	2,959.27
May-08	2,902.90
June-08	2,957.86
July-08	3,071.24
August-08	2,764.38
September-08	2,525.82
October-08	2,121.41
November-08	1,852.43
December-08	1,490.43
January-09	1,413.12
February-09	1,330.20
March-09	1,335.84

In order to ascertain whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry and whether the imports are having suppressing or depressing effect on the prices of the product in the domestic market, the trends in LME prices were examined. It is seen that the prices of the product have declined too steeply and too frequently. Given the nature of the product and the pricing policy followed by the domestic industry, the prices of the domestic industry also declined very rapidly and steeply. It is thus concluded that the imports of the said product have caused significant price depression in the market. So significant has been the price depression that the prices of the domestic industry are now materially below full cost of production.

Production: The Production trend of the domestic industry over the period are as follows:

Period	Production for the period	Monthly production	% change	Per month demand	% change
2006-07	920666	76722		85,355	
2007-08	1001179	83432	9%	99,258	16%
April-Sept-08	517314	86219	3%	105,306	6%
Oct-Dec-08	273854	91285	6%	86,319	-18%

Jan.Mar.-09	265119	88373	-3%	120,402	39%
-------------	--------	-------	-----	---------	-----

Average per month production of said product increased from 2006-07 to October-December, 2008. Production however thereafter declined significantly during Jan-March-09. Further, whereas the demand showed a significant increase of about 40%, production declined by about 3% during this period.

It is noted that there has been a large-scale declared production cuts in global market to the extent of approx. 72 lacs MT (which is substantially higher than gross Indian demand, more than six years of Indian production). It is noted that unfavorable market conditions caused by imports have compelled the constituents of domestic industry to cut down the production to such an extent that MALCO has completely suspended production w.e.f. November, 2009. Detailed evidence to this effect has been provided on the basis of information made available by (a) Reuters: CBI China, and (b) CRU.

Capacity Utilization: The capacity utilization of the domestic industry moved as shown in table below.

Period	Capacity utilization (%)
2006-07	75.84
2007-08	81.07
April-Sept-08	80.20
Oct-Dec-08	83.81
Jan- March-09	79.97

It is seen that the capacity utilization of the domestic industry was increasing upto Dec., 2008. The same has however declined sharply to 79.97% in Jan-March, 2009 quarter with sudden surge in imports. The level of capacity utilization that the domestic industry would have achieved in the absence of increased imports was estimated. It was seen that the domestic industry would have operated at a level of about 90.4% in the absence of increased imports (this was calculated considering the volume of imports that would have occurred in the absence of significant surge. This level was estimated at a level of 32,433 MT per month, considering average rate of imports between April, 2006 and Dec., 2008, thus showing additional imports @ 11520 MT during Jan.-March, 2009 period. Had the domestic industry produced an additional 11,520 MT per month during Jan.-March, 2009), its capacity utilization would have been in the region of 90.4%). It is thus concluded that the increased imports have led to fall in capacity utilization.

Sales: Sales volumes of the domestic industry over the period were examined. Factual position is as follows –

Year	Sales MT	Sales per month MT	Demand MT
2005-06	594,845	49,570	957,155
2006-07	666,881	55,573	1,024,259
2007-08	795,140	66,262	1,191,096
Apr-sep 08	400,044	66,674	631,837
Oct-Dec 08	173,788	57,929	258,958
Jan-Mar.09	229,348	76,449	361,206

Comparing the sales volume of domestic industry and the demand in the market, it is noted that the increase in demand is at a higher rate than the increase in the sale volume. Thus it can be seen that domestic industry was unable to capture the market and was unable to gain benefit of the increase in demand in the market.

Decline in domestic selling price

Selling price of the domestic industry in the domestic market has declined significantly over the period to such an extent that the domestic industry is now in financial losses.

Period	Selling Price (Rs./MT)	Indexed
2006-07	124,654	100
2007-08	111,531	89
April-Sept-08	126,792	102
October-08	105,388	85
November-08	101,270	81
December-08	92,400	74
January-09	84,979	68
February-09	80,798	65
March-09	76,546	61

Market share

Market share of domestic industry in demand/consumption in India was examined. The verified position is as follows –

Period	Share of applicants in Domestic demand (%)
2006-07	65.11
2007-08	66.76

April-Sept-08	63.31
Oct-Dec-08	67.11
Jan- March-09	63.50

It is noted that barring April-Sept., 2008, the domestic industry has steady market share. Domestic industry however, lost significant market share in Jan.-March, 2009, when the same declined to 63.50% from 67.11% during October-December, 2008, a fall of 5.4% in a situation where demand increased by 39% over the same period.

Profitability in domestic sales

Profits of the domestic industry on domestic sales of the product were examined. Factual position is as follows

Period	Profit before tax on total domestic sales (Rs.Croers)	Profit/ (Loss) per MT on domestic sales	Selling price of the domestic industry	Cost of production of the domestic industry
2006-07	2,346.04	49,963	124,654	74,692
2007-08	1,829.12	31,224	111,531	80,307
April-Sept-08	1,139.96	36,849	126,792	89,943
Oct-Dec-08	65.76	5,149	99,875	94,726
Jan-Mar.,09	(101.06)	(6,707)	81,110	87,817

It is noted that profitability of the domestic industry has very steeply deteriorated. So significant has been decline in profits of the domestic industry that whereas the domestic industry was earning a profit of Rs.36849 per MT during April-Sept-08 period, it suffered losses amounting to Rs.6707/- per MT during Jan-March, 2009 quarter. It is noted that the cost of production of the domestic industry also declined steeply. However, so steep was the decline in prices that the domestic industry ended up with significant financial losses.

Return on Investment

Return on investment followed the same trend as of profitability as can be seen from the table below. Return on investments became negative in Jan.-March, 09 period.

Period	ROI(%)	Indexed
2006-07	50.95	270
2007-08	40.04	213
April-Sept-08	46.15	245
Oct-Dec-08	6.14	33
Jan- March-09	(8.16)	(43)

Loss of employment

Increased imports are leading to loss of employment. This loss of employment is inspite of the fact that the domestic industry does not have option to layoff employees overnight, given the labor laws in the Country.

Period	2007-08	April-Sept-08	Oct-08	Nov-08	Dec-09	Jan-09	Feb-09	Mar-09
No. of Employees	6,530	6,085	6,076	6,063	6,035	5,725	5,672	5,615

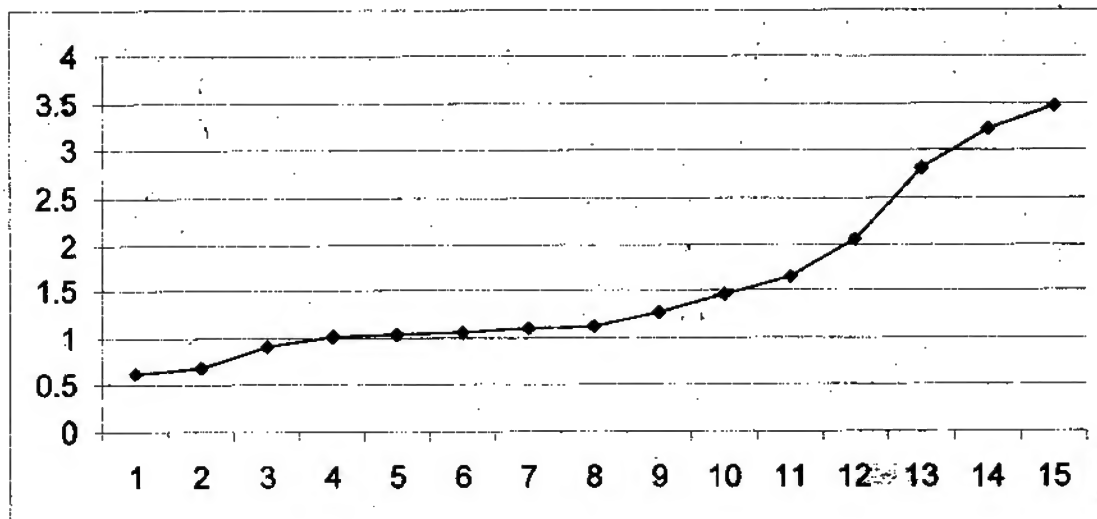
Falling LME prices of Aluminium: The trends in the prices of the product as per LME were examined in detail. It is noted that the LME prices have fallen too significantly. Given that the producers globally sell the product at LME prices, this clearly showed that the prices in the domestic market are bound to fall significantly and would continue to remain low and below cost of production.

Month	LME Month Average US\$/MT
April-08	2,959.27
May-08	2,902.90
June-08	2,957.86
July-08	3,071.24
August-08	2,764.38
September-08	2,525.82
October-08	2,121.41
November-08	1,852.43
December-08	1,490.43
January-09	1,413.12
February-09	1,330.20
March-09	1,335.84

LME stocks – the information provided by the domestic industry with regard to stocks of the product with LME shows as follows

Month	LME Global Stock in MT
Dec-2005	636,814
Dec-2006	681,686
Dec-2007	930,572
April-08	1,031,392
May-08	1,051,946
June-08	1,078,356

July-08	1,107,333
August-08	1,140,949
September-08	1,270,985
October-08	1,456,917
November-08	1,650,023
December-08	2,043,337
January-09	2,810,825
February-09	3,226,700
March-09	3,477,300



The above factor of increased stock piling internationally and falling LME is a cause of injury and threat of serious injury.

Adjustment plan: The domestic industry has provided following adjustment plan—

- (a) Closure of 1.0 LTPA capacity of old Soderberg technology Smelter and erection of 3.25 LTPA capacity of new Smelter with latest Prebaked technology.
- (b) Setting up of another smelter of 3.25 LTPA capacity with latest Prebaked technology to enhance capacity.

The above would result in significant reduction in the cost of production. It is noted that the domestic industry has provided a viable/feasible plan.

Causal Link between Increased Imports and Threat of Serious Injury: A comprehensive evaluation of parameters as above for the period from 2006-07 up to the March 2009 demonstrates serious injury and imminent threat of serious

2.27 GL/09-8

injury because of increased imports. The causal link is established by the following

- (a) The imports of the said products have increased significantly. Consequently, whereas the market share of the imports has increased, that of domestic industry has declined. Decline in the market share of the domestic industry is because of increased imports.
- (b) Decline in the market share of the domestic industry caused by the increased imports led to decline in production and consequently capacity utilization of the domestic industry.
- (c) Import price of the said product declined significantly. Consequently, the domestic industry was forced to reduce the prices to such an extent that the prices declined even below cost of production. Resultantly, the domestic industry suffered financial losses and negative return on investments. Thus, deterioration in profits and return on investments was due to increased imports at low prices.
- (d) A number of global players have taken production cuts. Gross production cuts have been estimated at 7.2 MTPA. In spite of so significant production cuts, inventories of the article with the LME have risen by about 450%.
- (e) The employment of domestic industry has fallen from 6530 in 2007-08 to 5615 in March 2009.

It is thus concluded that the increased imports of the said product are causing and threatening to cause serious injury to the domestic industry.

Findings on the representations received from end users:

All the issues raised in the representation received have been covered in findings above. However, issues raised have been again discussed below:

- (a) It is noted that while the prices of the domestic industry were in line with LME, the current prices are higher than the LME prices. This has been admitted by some of the consumers as well, who have filed representation. The current selling prices of the domestic industry are below the cost of production. Thus, it is evident that in a situation where the domestic industry was having profitable sales, they were following LME. However, now when LME has declined so significantly, they are forced to keep higher prices due to financial losses.
- (b) Given a number of major players in the Country and current demand being lower than existing capacities, there would be enough internal competition to

ensure fair market practices. There is no reason to believe that the prices would increase indiscriminately.

© The domestic industry has suffered financial losses in the current period. The allegation that the domestic industry has earned profits recently is not correct. Further, under the Rules, injury is required to be seen in respect of defined "domestic industry". Performance of individual companies is entirely irrelevant.

(d) It is noted that some reduction in production could be due to decline in demand. However, increase in imports in a situation where the domestic industry is already facing decline in production has intensified injury to the domestic industry.

(e) With regard to impact of proposed duty on small and medium scale industries, given a number of major players in the Country and current demand being lower than existing capacities, there would be enough internal competition to ensure fair market practices.

(f) The petitioner companies were directed to provide their cost statements, duly certified by practicing cost accountant. In fact, reasonable return has been considered on most conservative basis in order to ensure that the quantum of safeguard duty is bare minimum. Cost information of NALCO, BALCO and MALCO have been adopted. Safeguards duty @ 10% ad-valorem is proposed allowing significant competition margin (calculated injury margin – proposed safeguards duty) in favour of imports/importers, so that down stream industry and public interest is taken care of.

(g) With regard to low share of imports, the information shows that the same is far higher than what has been claimed by Jindal Aluminium. The surge in imports and increase in both absolute and relative terms has been discussed in finding above.

(h) Imposition of safeguard duty is necessary to prevent injury and to facilitate positive adjustments. Domestic industry has laid down plans to reduce cost of production and improve competitiveness.

Other Issues: A provisional examination of the competing interests of different economic operators and public at large has been carried out. In this respect, it is important to keep the prime objective of safeguard laws in mind, which is to provide sufficient time to the domestic industry to make positive adjustments to meet the situation of increased imports. The strategic and national importance of Aluminium industries has long been recognized. It is in the interest of all to keep a healthy and competitive Aluminium Industry. It is apparent that if the provisional safeguard measures are not taken, both the prices and market share of domestic

industries will further reduce resulting in financial loss of domestic industries to the extent of getting the domestic industry unviable and consequent loss of employment as well as loss of strategic and economic interest to keep the domestic market competitive. The imposition of safeguard duty would allow the domestic industry to remain competitive and all the domestic users/buyers will have a wider choice to source their material requirements at competitive prices.

Critical Circumstances: The increasing share of domestic market taken by imports at injurious prices, unutilized production capacity and idling of capacities in the year 2008-09 falling employment, falling investment falling profits to the extent of significant financial losses are the critical circumstances for issue of preliminary findings as the damage caused by delay will be difficult to repair. The preliminary determination shows that under the circumstances in which delay would cause damage, which it would be difficult to repair. As indicated above threat of serious injury is clearly imminent. The domestic producers are already suffering a decline, notably in loss of market share, reduced capacity utilization and loss of employment, and falling return on investment and financial losses.

Developing nations

- (L) Developing nations: These have been imports from countries specified in the table below which are individually more than 1%.

Country	Volume	
	(in MT)	Share(%)
Bahrain	10.00	1.01
Saudi Arab	12.40	1.34
Singapore	13.83	1.52
South africa	17.20	1.91
Thailand	17.50	1.96
U ARAB EMIS	17.18	1.92
Total	130.72	14.67

Exports of the product from all the following developing countries taken together contribute more than 5% of exports to India. Accordingly imports of the product under consideration from all these developing nations specified in the table below shall also attract safeguard duty.

Country	Volume	
	(in MT)	Share(%)
Angola	150	1.95
Algeria	126	1.66
Brahmas	20	0.26
Bangladesh	65	0.84
Benin	729	9.36

Cameroon	422	0.09
Cape Verde	7	0.00
Central African	18	0.00
Chile	95	0.02
China	7,949	1.77
Colombia	621	0.14
Congo	79	0.02
Coste d'Ivoire	58	0.01
Cuba	130	0.03
Cyprus	765	0.17
Korea RP DP	58	0.01
Djibouti	85	0.02
Dominic RP	20	0.00
Ecuador	15	0.00
Egypt	674	0.15
EL Salavador	123	0.03
Eriteria	15	0.00
Gabon	44	0.01
Ghana	2,115	0.47
Gautmela	421	0.09
Guyana	25	0.01
Haiti	90	0.02
Hondraus	451	0.10
Indonesia	1,907	0.42
IRAN	5,652	1.26
Jamacia	115	0.03
Jordan	3,029	0.67
Kenya	65	0.01
Kuwait	9,174	2.04
Lebanon	238	0.05
Liberia	28	0.01
Malaysia	5,600	1.25
MALDIVES	197	0.04
MALI	17	0.00
MALTA	49	0.01
MAURITANIA	110	0.02
MAURITIUS	117	0.03
MOROCCO	2,670	0.59
MOZAMBIQUE	25	0.01
Nepal	7	0.00
Nigeria	7,436	1.66
Oman	10,892	2.43
PAKISTAN IR	284	0.06
PANAMA REPUBLIC	21	0.00
PAPUA N GNA	23	0.01
PHILIPPINES	222	0.05
Qatar	1,852	0.41
Romania	245	0.05

Senegal	344	0.08
Seychelles	20	0.00
Sierra Leone	50	0.01
SRI LANKA DSR	142	0.03
Sudan	1,621	0.36
Togo	109	0.02
Tunisia	365	0.08
TANZANIA REP	131	0.03
YEMEN REPUBLIC	237	0.05
Mexico	2,829	0.63
Total	71,296	15.89

All other developing nations not specified above and as notified vide Notification no. 103/98 dated 14.12.1998 (as amended) may not attract safeguard duty.

4. **Conclusion and Recommendation:** On the basis of the above preliminary findings it is seen that increased imports of Unwrought Aluminium, aluminium waste and aluminium scraps have caused and threatened to cause serious injury to the domestic industry/ producers of Aluminum Products (unwrought, waste and scraps). There exist critical circumstances, where any delay in application for Specific Safeguard measures would cause damage which it would be difficult to repair, necessitating immediate application of provisional Specific Safeguard duty for period of 200 days, pending final determination of serious injury and threat of serious injury. Considering the average cost of production of Aluminum Products by the domestic producers (confidential), a reasonable return on capital employed, the present level of import duties and average import prices of Aluminum Product Specific Safeguard Duty at the rate of 10% ad valorem on all goods falling under Chapter heading 7601 and 7602 which is considered to be the minimum required to protect the interest of domestic industry is recommended to be imposed on imports of such goods

5. **Further Process:**

A public hearing will be held in due course before making a final determination, for which the date will be informed separately

Interested parties have been informed about the initiation of investigations and have been advised to provide relevant information in the form and manner prescribed, which would be considered for final determination

(Sd/-) No D-22011/17/20091
S. S. RANA, Director General